मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, मंगलवार, 03 सितंबर 2024

संवत 2081, भादपद कृष्ण 15 संवत मूल्य-2 रुपये

वर्ष-7, अंक 354 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक

मशहूर रैंपर सिंगर हनी सिंगर का चौंकाने वाला खुलासा 6

ADMISSION OPEN
2024-25

Offline Registration forms available in the school office on all working days from 9:00 AM to 2:00 PM.

www.jkworldschool.com

near Firagalal Chowk, Opp. Hotel Le Lac, Line Tank Road, Ranchi- 834001

8002955059, 7785039282

J.K. WORLD SCHOOL
...school for Special Child

We Offer
SPECIAL EDUCATION
SPEECH THERAPY
BEHAVIOUR THERAPY
PHYSIOTHERAPY
OCCUPATIONAL THERAPY
REMEDIAL INTERVENTION
VOCATIONAL TRAINING
ASSESSMENT & COUNSELLING

Day Care · Sports · Yoga Classes · Computer · Dance & Music · Transportation · Art & Craft

Dr. Shweta Pandey

तटरक्षक बल के हेलीकॉप्टर की अरब सागर में इमरजेंसी लैंडिंग

क्रू के एक सदस्य को बचाया गया, तीन लापता

नई दिल्ली: भारतीय तटरक्षक बल के एक हेलीकॉप्टर की अरब सागर में आपात लैंडिंग करानी पड़ी है। इस घटना में हेलीकॉप्टर पर सवार चार लोगों में तीन लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश जारी है। वहीं क्रू के एक सदस्य को बचा लिया गया है।

बचाव अभियान के दौरान हुआ हादसाः भारतीय तटरक्षक बल ने एक बयान जारी कर बताया कि उनके उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) को सोमवार रात करीब 11 बजे भारतीय ध्वज वाले मोटर टैंकर हरि लीला पर सवार चालक दल के गंभीर रूप से घायल सदस्य को मदद देने के लिए समुद्र में उतारा गया था। यह कार्रवाई गुजरात के पोरबंदर तट से करीब 45 किलोमीटर दूर की गई। तटरक्षक बल ने बताया कि मोटर टैंकर हरि लीला के मालिक के अनुरोध पर यह कार्रवाई की गई थी। तटरक्षक बल के दल में चार लोग सवार थे। कथित तौर पर अभियान के दौरान हेलीकॉप्टर को अरब सागर में ही आपात लैंडिंग करनी पड़ी।

बचाव अभियान में तटरक्षक बल ने लगाए चार जहाज और दो विमानः हेलीकॉप्टर की समुद्र में आपात लैंडिंग की वजह का अभी पता नहीं चल सका है। हेलीकॉप्टर जब मोटर टैंकर के पास पहुंचने ही वाला था, उसी वक्त किन्हीं कारणों से हेलीकॉप्टर को समुद्र में उतारना पड़ा। तटरक्षक बल ने हादसे का शिकार हुए हेलीकॉप्टर के लापता जवानों की खोज के लिए चार जहाज और दो विमानों को बचाव अभियान में लगाया है।

हिसार-चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना में आठ की मौत, 8 घायल

नई दिल्ली: हरियाणा के जींद जिले में एक दुखद घटना में, तीर्थयात्रियों को ले जा रहे एक टाटा मैजिक वाहन से ट्रक की टक्कर में आठ लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। मृतकों में तीन महिलाएं शामिल हैं। हरियाणा के जींद जिले में एक दुखद घटना में, तीर्थयात्रियों को ले जा रहे एक टाटा मैजिक वाहन से ट्रक की टक्कर में आठ लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। मृतकों में तीन महिलाएं शामिल हैं। पीड़ित तीर्थयात्री थे जो कुरुक्षेत्र से गुगा मेड़ी जा रहे थे, जब यह दुर्घटना हिसार-चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। यह घटना मंगलवार को रात करीब 1 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, घायलों को पहले नरवाना के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें अग्रोहा रेफर कर दिया गया। कुल 16 तीर्थयात्री कुरुक्षेत्र के मरचेड़ी गांव के निवासी थे और राजस्थान के गोगामेड़ी धाम जा रहे टाटा मैजिक वाहन में सवार थे। रात करीब 1 बजे, जब वे नरवाना के बिरधाना गांव के पास पहुंचे, तो एक तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से टाटा मैजिक को टक्कर मार दी, जिससे वह खाई में गिर गई। सभी तीर्थयात्री वाहन के अंदर फंस गए और घटनास्थल पर चीख-पुकार और दहशत का माहौल बन गया। घटना के समय वहां से गुजर रहे वाहनों में मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने फंसे तीर्थयात्रियों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन अंधेरा होने के कारण उनके प्रयास असफल रहे।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 9 नक्सली ढेर

भारी मात्रा में हथियार बरामद

नई दिल्ली: छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में सुरक्षाबलों का आज बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने एक मुठभेड़ में 9 नक्सलियों को मार गिराया है। पुलिस ने इस बात की जानकारी दी है। इतना ही नहीं, इन नक्सलियों के पास से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए गए हैं। बताया जा रहा है कि नक्सलियों संग जवानों की मुठभेड़ दंतेवाड़ा और बीजापुर के सीमावर्ती इलाके में चल रही है। सुरक्षाबलों को पश्चिम बस्तर डिवीजन के माओवादियों के जमावड़े की खबर मिली थी, जिसके बाद संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया। सुबह 10:30 बजे से लगातार पुलिस पार्टी और माओवादियों के बीच मुठभेड़ जारी है। वहीं, दूसरी ओर छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सोमवार को पांच नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें से दो पर कुल दो लाख रुपये का इनाम घोषित था। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वालों में महिला उग्रवादी पोडियम बुद्री के साथ-साथ मल्लम देवा और करतम हड़मा भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के अनुसार सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

दिल्ली में राहुल और खड़गे से मिले हेमंत सोरेन,कहा-

पूरी ताकत से सरकार चलाएंगे और चुनाव भी जीतेंगे

बन्ना गुप्ता ने चंपाई सोरेन को बताया पिंजरे का शेर

मेट्रो रेज

रांची/ दिल्ली: सीएम हेमंत सोरेन ने पत्नी कल्पना सोरेन के साथ दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। मुलाकात के बाद हेमंत सोरेन ने कहा कि मैं उनसे मिलने की योजना काफी समय से बना रहा था। यह एक शिष्टाचार मुलाकात थी। अब हम झारखंड विधानसभा चुनाव के बारे में चर्चा करेंगे। बाकी सब ठीक है। हम पूरी ताकत से सरकार चलाएंगे और भविष्य में चुनाव भी जीतेंगे।

इस बीच झारखंड के पूर्व सीएम और भाजपा नेता चंपाई सोरेन को लेकर झारखंड के मंत्री बन्ना गुप्ता ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि झामुमो के लोग चंपाई सोरेन को 'बाघ' कहते थे, लेकिन भाजपा ने उन्हें पिंजरे में बंद कर दिया और उन्हें 'सर्कस का शेर' बना दिया। उन्हें वहां आजादी नहीं मिल सकती। भाजपा की वाशिंग मशीन में नहाने के बाद लोग पवित्र हो जाते हैं। उनके साथ जुड़ने वाले अब भ्रष्ट नहीं रह जाते और ईमानदार हो जाते हैं।

दुष्कर्म के दोषियों को मौत की सजा वाला विधेयक पेश करेगी ममता सरकार, पीड़िता की उम्र नहीं रखेगी मायने

कोलकाता : पश्चिम बंगाल सरकार मंगलवार को विधानसभा के पटल पर अपराजिता महिला एवं बाल (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून संशोधन) विधेयक पेश करेगी। इस विधेयक में बलात्कार और हत्या के मामलों में दोषियों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। इसमें पीड़िता की उम्र मायने नहीं रखेगी। पिछले महीने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की एक महिला डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। इस शर्मनाक घटना के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के बीच प्रस्तावित इस विधेयक को राज्य के कानून मंत्री मलय घटक पेश करेंगे, जिसके बाद इस पर चर्चा होगी।

तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार, इस बात की पूरी उम्मीद है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंगलवार को राज्य विधानसभा में मौजूद रहेंगी और विधेयक पर

बहस में हिस्सा लेंगी। प्रस्तावित विधेयक पर चर्चा के लिए कुल दो घंटे का समय दिया जाएगा। भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम 2012 के तहत प्रासंगिक प्रावधान में संशोधन की मांग करने वाला विधेयक सभी उम्र के पीड़ित पर लागू होगा।

यदि इस विधेयक को पारित किया जाता है, तो बलात्कार और हत्या के मामलों में दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई जाएगी। इसका अर्थ है कि उन्हें अपना पूरा जीवन जेल में बिताना होगा महज कुछ वर्षों के बाद छोड़ा नहीं जाएगा। इसमें आर्थिक दंड के प्रावधान भी होंगे। विधेयक में बलात्कार से संबंधित जांच पूरी करने की समय सीमा को दो महीने से घटाकर 21 दिन करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा ऐसे मामलों में आरोप पत्र तैयार होने के एक महीने के भीतर फैसला सुनाने का वादा भी किया गया है। विधेयक में ऐसे मामलों में अदालती कार्यवाही से संबंधित कोई जानकारी प्रकाशित करता है या पीड़िता की पहचान उजागर करता है, तो उसे तीन से पांच साल कैद की सजा हो सकती है।

हालांकि, कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि विधानसभा में विधेयक को पारित कर देना ही पर्याप्त नहीं होगा। इसमें इस संबंध में केंद्रीय कानूनों के कुछ प्रावधानों में संशोधन का प्रस्ताव है, इसलिए इसे राष्ट्रपति की मंजूरी की जरूरत होगी। बंगाल सरकार के इस फैसले का विरोध हो रहा है। विपक्षी दल और कानूनी विशेषज्ञ कह रहे हैं कि ऐसे मामलों (बलात्कार और हत्या) के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कानून में सख्त प्रावधान हैं।

विदेश से लौटते ही ऐक्शन में दिखे लालू यादव

जातीय जनगणना को लेकर आरएसएस- बीजेपी पर साधा निशाना, बोले- इनकी क्या औकात...

पटना: सिंगापुर से पटना लौटते ही राजद सुप्रीमो लालू यादप ने आरएसएस और भाजपा पर जोरदार हमला किया है। राजद अध्यक्ष ने कहा है कि ये लोग जातीय जनगणना कैसे नहीं करायेंगे, इन लोगों को मजबूर कर देंगे। लालू यादव ने एक्स पर लिखा, इन आरएसएस/बीजेपी वाला का कान पकड़, दंड बैठक करा इनसे जातिगत जनगणना कराएंगे। इनका क्या औकात है जो ये जातिगत जनगणना नहीं करायेंगे? इनको इतना मजबूर करेंगे कि इन्हें जातिगत जनगणना करना ही पड़ेगा। दलित, पिछड़ा, आदिवासी और गरीब का एकता दिखाने का समय अब आ चुका है।

बिहार के बाद देश में उठ रही मांग: लालू पत्नी राबड़ी देवी और बेटी मीसा भारती के साथ सिंगापुर हेल्थ चेकअप के लिए गए थे। पटना पहुंचते ही लालू ने जातिगत गणना को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश की है और

कहा है कि केंद्र की सरकार को जातिगत गणना कराने के लिए मजबूर कर देंगे। बिहार में जातिगत गणना कराए जाने के बाद अब इसकी मांग पूरे देश में उठ रही है। विपक्ष इसे मुद्दा बनाकर केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है और पूरे देश में जातिगत गणना कराने की मांग कर रहा है। सरकार के सहयोगी दल देशभर में जातीय गणना के पक्ष में हैं, हालांकि इसपर केंद्र सरकार की तरफ से कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है।

बहराइच में एक और हमला : भेड़िये ने पांच साल की बच्ची को किया जख्मी, 32 राजस्व, 25 वन और स्पेशल टीम भी नाकाम

बहराइच : हरदी थाना इलाके में भेड़ियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार की रात लगातार तीसरे दिन भेड़िये ने हमला किया। जिससे लोगों में दहशत कई गुना बढ़ गई है। देर रात भेड़िये के हमले में पांच साल की बच्ची घायल हो गई। बच्ची को इलाज के लिए सीएचसी महसी भेजा गया है। सीएचसी प्रभारी महसी ने इसकी पुष्टि की है।

जानकारी के अनुसार, हरदी थाना इलाके के ग्राम पंचायत पंडोहिया के गिरधरपुरवा निवासी अफसाना (05) सोमवार की रात मां के साथ सो रही थी। इस दौरान रात लगभग 12 बजे उस पर भेड़िये ने हमला कर दिया। अफसाना की चीख सुन उसकी मां और अन्य परिजन जाग गए।

परिजनों ने शोर मचाया,

जिसके बाद भेड़िया खेतों की ओर भाग गया। अफसाना को इलाज के लिए सीएचसी महसी ले जाया गया। हमले के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हमले की सूचना पर बीडीओ महसी हेमंत यादव टीम के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों से जानकारी ली।

इससे पहले, रविवार की रात भेड़ियों ने ढाई वर्षीय अंजली को निवाला बनाया तो वहीं कमला (60) और सुमन (55) पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायलों को सीएचसी महसी ले जाया गया, जहां कमला की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया।

घटना की सूचना पर डीएफओ, एसडीएम, सीओ आदि मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। वहीं एडीजी गोरखपुर जोन, डीएम व एसपी भी मौके पर पहुंचीं और पीड़ितों को ढांढस बंधवाते हुए जल्द भेड़ियों को पकड़ने का दावा किया। इसके साथ ही इस समस्या का समाधान के लिए सीएम योगी ने लखनऊ से यहां पर विशेष टीम भेजी है। हरदी की ग्राम पंचायत गरेठी गुरदत्त सिंह के मजरा नव्वन गरेठी निवासी अंजली (ढाई वर्ष) रविवार की रात मां नीलू के साथ घर के कमरे में सो रही थी। इस दौरान कमरे में दरवाजा न होने से सुबह लगभग तीन बजे भेड़िये ने हमला कर दिया। भेड़िये ने अंजली को गर्दन से दबोचा और बाहर की ओर भागा। अंजली की चीख सुन मां नीलू व पिता कमल की आंख खुली और दोनों ने शोर मचाते हुए भेड़िये का पीछा किया। लेकिन भेड़िया अंधेरे का फायदा उठाते हुए गन्ने में भाग गया। परिजनों ने ग्रामीणों व वन टीम के साथ मासूम की तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इस दौरान ड्रोन कैमरे में गांव से एक किमी की दूरी पर बालिका का शव पड़ा दिखा। शव देखते ही परिजनों में कोहराम मच गया और मौके पर भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर एसडीएम महसी अखिलेश सिंह, डीएफओ अजीत प्रताप सिंह, सीओ रूपेंद्र गौड़, चौकी प्रभारी महसी अशोक सिंह आदि टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की। इसके अलावा भेड़िये ने हरदी की ग्राम पंचायत कोटिया के मजरा बाराबिगहा में घर के आंगन में लेटी कमला (60) पर भी हमला किया। भेड़िये ने उन्हें खींचने का प्रयास किया, लेकिन कमला का संघर्ष व परिजनों को आता देख उन्हें छोड़कर भाग गया। परिजनों ने उन्हें सीएचसी महसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं भेड़िये ने ग्राम पंचायत पिपरी मोहन निवासी सुमन (55) पर भी हमला किया। सुमन को भी सीएचसी महसी में भर्ती करवाया गया है।

32 राजस्व, 25 वन टीमें, स्पेशल टीम भी हमले रोकने में नाकाम : महसी तहसील क्षेत्र में जारी भेड़ियों के हमलों में जनहानि रोकने के लिए डीएम ने 32 राजस्व टीमें जागरूकता के लिए तैनात की हैं।

न्यूज ब्रीफ

सतर्कता जागरूकता अभियान के अंतर्गत चित्रकला एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता

रांची: सतर्कता जागरूकता अभियान - 2024 के अंतर्गत सीसीएल के सतर्कता विभाग एवं गांधीनगर अस्पताल संयुक्त रूप से डीएवी, गांधीनगर में चित्रकला एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस चित्रकला एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कुल 40 छात्रों ने भाग लिया। ज्ञात हो कि सीसीएल में 16 अगस्त से 15 नवंबर, 2024 तक सतर्कता जागरूकता अभियान मनाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान क्षमता निर्माण, डिजिटल की उपयोगिता, शिकायतों का निष्पादन आदि पर विशेष बल दिया जा रहा है। यह कार्यक्रम निवारक सतर्कता प्रथाओं में छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए एक आउटरीच पहल के रूप में आयोजित किया गया था। सीसीएल मुख्यालय के साथ-साथ सभी क्षेत्रों, अस्पतालों एवं सीसीएल के अन्य इकाईओं में भी सतर्कता से सम्बंधित कार्यक्रम किया जा रहा है।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में उमड़ी भीड़

रामगढ़: सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत सोमवार को रामगढ़ जिला अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों के 9 स्थलों पर शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। मौके पर शिविरों के लिए जिला स्तर से प्रतिनियुक्त वरीय अधिकारियों, नोडल पदाधिकारियों सहित प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों के द्वारा सरकार के विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ एवं परिसंपत्तियों का वितरण लाभुकों के बीच किया गया। इस दौरान अधिकारियों के द्वारा सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं अबुआ आवास योजना, साइकिल वितरण योजना, सर्वजन पेंशन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, गुरुजी क्रेडिट कार्ड सहित अन्य योजनाओं एवं उनके लाभ लेने की प्रक्रिया की जानकारी लोगों को दी गई। वहीं सभी से आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आयोजित किए जा रहे शिविरों में भाग लेकर स्वयं लाभान्वित होने एवं अन्य लोगों को भी इसके प्रति जानकारी देने की अपील की गई।

डालसा के जागरूकता रथ को न्यायाधीश ने दिखायी हरी झंडी

धनबाद: झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर लोगों को जागरूक बनाने के लिए जागरूकता रथ सोमवार को सिविल कोर्ट से रवाना हुआ। धनबाद के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश सह चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकार राम शर्मा ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मौके पर न्यायाधीश श्री शर्मा ने बताया कि लोगों को जागरूक बनाने, सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के लिए चलंत लोक अदालत सह जागरूकता रथ 30 सितंबर तक जिले के हर कस्बे, मुहल्ले, गांव व ब्लॉक में जाकर लोगों को विभिन्न कानूनों की जानकारी देगा। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला ने बताया कि चलंत लोक अदालत द्वारा लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं व कानूनो के प्रति जागरूक बनाया जाएगा। मौके पर अवर न्यायाधीश सह प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार निताशा बारला ने बताया कि आज जागरूकता रथ एग्यारकुंड ब्लॉक जायेगा। मौके पर कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश तौफीकुल हसन, जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुजीत कुमार सिंह, दुर्गेश चंद्र अवस्थी, संजय कुमार सिंह, सीबीआई के विशेष न्यायाधीश रजनीकांत पाठक, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव त्रिपाठी, एलएडीसीएस डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, बार एसोसिएशन के महासचिव जितेंद्र कुमार जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पैनल अधिवक्ता, विनोद कुमार, विश्वजीत कुमार सिंह, अलका सिंह, सोनिया कुमारी ,श्रीनिवास प्रसाद ,विक्रमादित्य पांडेय, जयराम मिश्रा, सिविल कोर्ट के तमाम कर्मचारी, समेत दर्जनों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

भाजपा को सरकार की मईयां सम्मान योजना से इतनी तकलीफ क्यों: प्रीति सहाय

कोडरमा: झारखंड सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजना मंइया सम्मान योजना के खिलाफ हाई कोर्ट में विष्णु साहू द्वारा दायर किए गए याचिका पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस महिला महासचिव प्रीति सहाय ने गहरा रोष हाई प्रकट किया है। कहा कि माता बहनों की खुशी भाजपा को रास नहीं आती है।आखिर भाजपा बहनों माताओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाकर उनकी भलाई क्यों नहीं चाहती है। झारखंड सरकार की मंइया योजना से इतनी तकलीफ और खीज क्यों है। प्रीति सहाय ने मोदी सरकार द्वारा काले धन को खत्म करने हेतु किए गए नोटबंदी को याद करते हुए कहा कि पूर्व में भी भाजपा सरकार ने ग्रिहीणियों द्वारा अपने परिवार और व्यक्तिगत जरूरत के लिए जमा कर रखे गए एक हजार एवं 500 के नोट को बंद कर अप्रत्यक्ष रूप से बहिनों एवं माताओं को ही चोट पहुंचा था, अब जब महागठबंधन की हेमंत सोरेन सरकार महिलाओं को सम्मान देकर आर्थिक रूप से सबल बना रही है तो भाजपा प्रायोजित इस जनहित याचिका दायर कर इस योजना को अब लटकाओ भटकाव और फिर फांसाओ नीति के जरिए रद्द करने का प्रयास किया जा रहा है जो दुर्भाग्यपूर्ण है। झारखंड की महिलाएं इसका भरपूर विरोध करती हैं और आने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को इसका सबक सिखाने का काम करेगी।

सीएम के आदेश के बाद उत्पाद सिपाही बहाली परीक्षा तीन दिन के लिए स्थगित

मेट्रो रेज

रांची: सीएम हेमंत सोरेन के आदेश के बाद उत्पाद सिपाही की बहाली तीन दिनों (3 से 5 सितंबर) के लिए स्थगित कर दी गई। सीएम ने कहा कि उत्पाद सिपाही की नियुक्ति प्रक्रिया में दौड़ के क्रम में प्रतिभागियों की असामयिक मृत्यु दुःखद और मर्माहत करने वाली है। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा बनाये गये नियमावली की अविलंब समीक्षा का निर्देश देते हुए हमने इस ढंग की भविष्य की सभी बहालियों के लिए नियमावली में बदलाव करने का निर्देश दिया है। साथ ही इस प्रक्रिया में दुर्भाग्यवश पीड़ित और शोकाकुल परिवार को सरकार की तरफ से तत्काल राहत पहुंचाने के लिए प्रस्ताव बनाने का भी निर्देश दिया गया है।

सीएम ने कहा कि एहतियातन अगले 3 दिनों के लिए हमने इस भर्ती प्रक्रिया को स्थगित करने का निर्देश दिया है। दौड़ का आयोजन अब सुबह नौ बजे के बाद किसी भी सूरत में नहीं की जाएगी। जिन अभ्यर्थियों को दौड़ के पूर्व स्वास्थ्य परीक्षण की जरूरत महसूस होगी उनके लिए चिकित्सकों की पर्याप्त व्यवस्था होगी। सभी प्रतियोगिता स्थलों पर प्रतिभागियों के लिए नाश्ते के लिए फल का व्यवस्था होगी। जिससे कि कोई भूखे पेट दौड़ में हिस्सा न ले।

परामर्श रिपोर्ट देने का भी निर्देश दिया : सीएम ने कहा कि आखिर किन कारणों से हमारे गांव-समाज के अपेक्षाकृत स्वस्थ और चुस्त लोग, पूर्व से चली आ रही शारीरिक परीक्षा में हताहत हो जा रहे हैं। आखिर झारखंड सहित देश में पिछले 3-4 वर्षों में सामान्य जन के स्वास्थ्य में ऐसा क्या बदलाव आया है? इन युवाओं की असामयिक मृत्यु के कारणों की समीक्षा करने के लिए, जिससे कि भविष्य में ऐसी दुर्घटना घटित न हो, हमने स्वास्थ्य विशेषज्ञों की भी एक समिति का गठन कर परामर्श रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है।

सीएम हेमंत सोरेन पहुंचे अजमेर, की चादरपोशी

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को एकदिवसीय यात्रा पर अजमेर पहुंचे। वहां सीएम ने विश्व प्रसिद्ध सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में जियारत की ओर अकीदत के फूल और मखमली चादर पेश कर दुआएं मांगी। उनके साथ उनके परिवार के सदस्य भी थे। इससे पूर्व वह विशेष विमान से किशनगढ़ एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से सड़क मार्ग से अजमेर के सर्किट हाउस पर पहुंचे। वहां यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर स्वागत किया।

परिवार के साथ जियारत के लिए आए हैं: हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि वह दरगाह में परिवार के साथ जियारत के लिए आए हैं। ऊपर वाले से क्या मांगना वह सब पहले ही दे देता है। एक दूसरे का हाथ पकड़ कर लोग सदियों से चलते आए हैं। आज भी चलेंगे। उन्होंने कहा कि जो मिला है सब उनकी बदौलत है। जो मिलेगा उनकी वजह से मिलेगा। वह सबके लिए दुआ मांगने आए हैं। वहीं, एमपी के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान वाले सवाल पर बोले कि वो विपक्ष के नेता हैं। उनका आरोप है, वो कुछ भी बोल सकते हैं। केंद्र सरकार कैसा काम कर रही यह देश देख रहा है और जवाब भी दे रहा है।

घोषणा पत्र सुझाव अभियान के तहत प्रेस कॉन्फ्रेंस

सभी के सुझाव और मार्गदर्शन से बनेगा भाजपा का घोषणा पत्र : डॉ नीरा यादव

मेट्रो रेज

झुमरी तिलैया: शिव वाटिका में प्रेस वार्ता के दौरान मुख्य रूप से उपस्थित कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा कि आने वाले चुनाव में भाजपा की सरकार बनेगी और घोषणा पत्र के अनुरूप एक एक बिन्दु पर पहल होगी। उन्होंने घोषणा पत्र के सुझाव के लिए क्यू आर कोड जारी करते हुए कहा हर एक लोगों की राय ली जाएगी जो जनहित में हो । उसके लिए भाजपा एक क्यू आर कोड प्रेषित किया है, बताते हुए कहा कि इसे स्कैन करने पर भाजपा का एक पोर्टल खुलेगा और उसमें आप अपने सुझाव को लिखते हुए सबमिट कर सकते हैं जो की पार्टी उसपर विचार करते हुए अपने संकल्प पत्र में लेगी। विधायक ने कहा कि भाजपा जो कहती है उससे बढ़कर जनहित में कार्य कर के दिखाती है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हेमन्त सरकार ने 2019 में अपने घोषणा के अनुसार से कहा था कि पांच लाख युवाओं को नौकरी देंगे, नही दे पाए तो उन्हे पांच हजार मासिक रोजगार भत्ता देंगे एवं स्नातकोत्तर बेरोजगार युवाओं को सात हजार मासिक भत्ता देंगे, इनमे से यदि कोई पहल नहीं कर पाए तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। परंतु उन्होंने कोई भी शर्त को पूरा नहीं किया। अपने उत्पाद विभाग द्वारा निकाली गई भर्ती पर नीरा यादव ने सरकार को दिया करारा जवाब। उन्होंने कहा सरकार बिना रोड मैप की बहाली निकाल कर सिर्फ मौत का सौदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा बिना पानी सुविधा, बिना चिकित्सा सुविधा के दौड़ करवाया जा रहा है, जिससे अभ्यर्थियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। युवा रात से ही दौड़ वाले स्थान पर बिना सुविधा के जैसे तैसे ठहर रहे हैं और दौड़ में अपने जान गवां रहे हैं। बहाली के नाम पर एक फिर से एक छलावा है। उन्होंने कहा हेमंत सोरेन के घोषणा से अभी तक मिला क्या? पूछ रही है जनता। उन्होंने कहा झारखंड का अस्तित्व खतरे में है उसे सजाने संवारने का काम सत्ता पर आने पर अब भाजपा ही करेंगी । मौके पर भाजपा जिला प्रभारी भैया अभिमन्यु प्रसाद, जिला उपाध्यक्ष देवनारायण मोदी,जिला महा मंत्री शिवेंद्र सिंह, विजय यादव, मनोज कुमार झुन्नू, सुदर्शन यादव, चंद्रशेखर जोशी, गोपाल कुमार गुतुल, संजीव यादव, अजय पांडेय, संजय शर्मा, सुरेंद्र यादव, परमेश्वर यादव व अन्य मौजूद थे।

गोमिया के पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद महतो पहुंचे ललपनिया

कसमार : राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष, सह गोमिया के पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद महतो ललपनिया पहुंचे। टीटीपीएस में बीती रात बंद 5 क्वार्टरों में लाखों की हुई चोरी की घटना की सूचना पाकर वे पहुंचे थे। उनके साथ महुआटांड़ थाना प्रभारी रंजीत यादव और ललपनिया थाना प्रभारी शशि शेखर भी थे। श्री महतो ने चोरी की घटना के पीड़ित सीपी सिंह, प्रदीप बरनवाल एवं अमित जैन के आवास पहुंचकर सुध ली। पीड़ित परिवारों ने उन्हें बताया कि अलग अलग कार्यों के मद्देनजर वे लोग बाहर गए हुए थे। चोरी की इस घटना से लोग डरे हुए हैं। अध्यक्ष सह पूर्व विधायक ने पीड़ित परिवारों को भरोसा दिया कि वे इस घटना को लेकर एसपी से बात करेंगें और जल्द चोरों की गिरफ्तारी हो इस पर बल देंगें। उन्होंने दोनों थाना के प्रभारियों से भी संबंधित चर्चा की।

बंता में पेड़ों की अंधाधुंध कटाई व पत्थरों का अवैध उत्खनन बेखौफ जारी

जानकर भी अनजान बना हैं विभाग

सिल्ली : सिल्ली थाना क्षेत्र से 6 किमी दूर बंता कालू कोचा में अंधाधुध पेड़ों की कटाई व खाटंगा हड़साली बंता टुंगरी में पत्थरों का अवैध उत्खनन बेखौफ जारी है। बंता कालू कोचा दिन के उजाले में हरे भरे वृक्षों को काटकर धरती की श्रृंगार को उजाड़ा जा रहा है। बंता टुंगरी में बड़े पैमाने पर खुल्लेआम पत्थरों का अवैध उत्खनन हो रहा और विभाग जानकर भी अंजान बना हुआ हैं जिससे लकड़ी माफिया और पत्थर माफियाओं का हौसला बुलंद है। ग्रामीणों ने नाम प्रकाशित नहीं करने के शर्त पर बताया बंता कालू कोचा में गांव के ही गुहीराम नामक लकड़ी माफिया पेड़ों की कटाई बिना किसी डर भय का कर रहा है और ट्रैक्टरों से सीमावर्ती राज्य पश्चिम बंगाल भेज रहा है। वही बंता टुंगरी में एक नही तीन तीन पत्थर माफिया दिन भर खुल्लेआम पत्थरों का अवैध उत्खनन कर रहे है और ट्रैक्टरों से आसपास के अलावे सीमावर्ती राज्य पश्चिम बंगाल भेज रहे है। इसी तरह और कुछ दिन विभाग ने आंखें बंद कर रखा तो वह दिन दूर नहीं जंगल मैदान में तब्दील हो जाएगा। ग्रामीणों ने यह भी बताया लकड़ी और पत्थर माफिया एक राजनीतिक पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता है जो एक वनकर्मी से मिले हुए है। इधर इस संबंध में रेंजर राजेश कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा इस मामले में कोई जानकारी नहीं है जानकारी के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

मृतक के परिजनों से मिले बाबूलाल

रांची: उत्पाद सिपाही भर्ती की दौड़ में अपनी जान गंवा चुके ओरमांझी प्रखंड के जिराबर गांव निवासी अजय कुमार महतो के परिजनों से मिले बाबूलाल और घटना की जानकारी ली। परिजनों के अनुसार अजय की मौत को राज्य सरकार की लापरवाही से हुई है। सरकार की लापरवाही के युवावस्था में ही इस दुनिया से चले जाना अत्यंत दुखद है। ईश्वर से दिवंगत आत्मा के शांति की प्रार्थना करता हूं। भारतीय जनता पार्टी, विपदा की इस घड़ी में अजय जी के परिवार के साथ खड़ी है।

स्कूली बच्चों के जान-माल की सुरक्षा के लिए सीआरआरआई और आइआरसी की पहल सराहनीय : तुषार कांति शीट

रांची: जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता व 'श्रीरामकृष्ण सेवा संघ' के सहायक सचिव तुषार कांति शीट ने स्कूली बच्चों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाने के लिए केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान(सीआरआरआई) और भारतीय रोड कांग्रेस(आईआरसी) द्वारा की गई संयुक्त पहल की सराहना की है। श्री शीट ने कहा है कि स्कूल के आसपास के यातायात प्रबंधन के बुनियादी ढांचे को विकसित कर स्कूलों को सुरक्षित जोन बनाने के लिए सीआरआरआई और आइआरसी द्वारा मॉडल तैयार किया जाना स्वागत योग्य कदम है। इस योजना के सफलीभूत होने पर काफी हद तक स्कूली बच्चों के जान-माल की सुरक्षा संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि इसके तहत मुख्य मार्गों पर स्थित स्कूलों के आसपास अलग-अलग प्रकार के जेब्रा क्रॉसिंग, अधिकतम गति सीमा का निर्धारण के साथ स्पष्ट दिखने वाले सूचक बोर्ड आदि लगाए जाएंगे। केंद्र सरकार के निकाय आइआरसी के निदेर्शानुसार देश के सभी राज्यों के लिए अलग-अलग भाषाओं में उक्त संकेत जारी होंगे। इससे स्कूलों को सुरक्षित जोन में परिवर्तित किया जा सकेगा। स्कूली बच्चों की सुरक्षा के उपाय के लिए आइआरसी द्वारा कई दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

रांची में लॉ एंड ऑर्डर को लेकर डीजीपी रेस, कहा-

लापरवाह और गलत कार्य में लिप्त थानेदारों पर कार्रवाई नहीं करने वाले एसपी भी नपेंगे

मेट्रो रेज

रांची : काम में लापरवाह और गलत कार्य में लिप्त थानेदार पर कार्रवाई नहीं करने वाले एसपी पर गाज गिरेगी। इसको लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि अगर किसी जिले में थाना प्रभारी किसी निर्दोष को परेशान कर रहा है या किसी दोषी को पैसा लेकर छोड़ रहा है। वैसे थाना प्रभारी पर अगर उस जिले के एसपी अगर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, तो उनपर भी कार्रवाई होगी। डीजीपी बताया कि जिले के पुलिस अधिकारियों के खिलाफ शिकायत को उस रेंज के डीआईजी खुद देखेंगे।

आम जन की शिकायत नहीं सुनने वाले पुलिस अधिकारी को हटाया जायेगाः डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि कोई ऐसा अधिकारी जो आम जमता की शिकायत नहीं सुन रहा है और यह मामला अगर मेरे संज्ञान में आया तो उस पुलिस अधिकारी को उस स्थान से हटा दिया जायेगा। डीजीपी ने कहा कि आम जनता से यह मेरा कमिटमेंट है।

एफआईआर दर्ज नहीं करने वाले थाना प्रभारी पर भी होगी कार्रवाईः एफआईआर दर्ज नहीं करने वाले थाना प्रभारी और टालमटोल करने वाले पुलिस अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी। इसको लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया है किआम जनता से दुर्व्यवहार और बदतमीजी करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाउ कड़ी अनुशासनिक कार्रवाई की जायेगी। डीजीपी ने कहा कि विभिन्न सूत्रों से ऐसी जानकारी प्राप्त हो रही कि झारखंड के कई जिलों में थाना प्रभारी और थाना के अन्य कर्मी विशेषकर मुंशी, आम जनता से अच्छा व्यवहार नहीं करते हैं। वे जनता की शिकायतों पर थाना में प्राप्ति रसीद भी नहीं देते हैं। जिसके चलते भुक्तभोगी भटकते रहते हैं और उन्हें उचित न्याय नहीं मिल पाता है।

रांची निगम अधिकारियों संग वार्ता के बाद सुपरवाइजर की हड़ताल खत्म, सफाई कर्मियों की हड़ताल जारी

रांची : रांची नगर निगम के सफाईकर्मी के साथ ड्राइवर और सुपरवाइजर सोमवार से बेमियादी हड़ताल पर चले गये थे। हड़ताल के एक दिन बाद ही मंगलवार को सुपरवाइजर की हड़ताल खत्म हो गयी। हालांकि सफाई कर्मचारियों की हड़ताल अभी भी जारी है। जानकारी के अनुसार, नगर निगम सफाई मजदूर संघ के लोग, सफाईकर्मी और सुपरवाइजर मंगलवार की सुबह नागाबाबा खटाल स्थित वेजीटेबल मार्केट में जुटे, जहां उन्होंने निगम के अधिकारियों के साथ वार्ता की। वार्ता में सुपरवाइजर की मांग पर सहमति बनने के बाद सुपरवाइजर ने हड़ताल खत्म करने की घोषणा की। वहीं सफाई कर्मचारियों की मांग पर सहमति नहीं बन पायी, जिसकी वजह से उन्होंने हड़ताल जारी रखने का फैसला किया। निगम के अधिकारियों ने सुपरवाइजर और इंचार्ज के वेतन बढ़ाने का आश्वाशन दिया है। वहीं हेल्पर और ड्राइवर की मांगे पूरी नहीं हुई है। बता दें कि रांची नगर निगम के सफाईकर्मी के साथ ड्राइवर और सुपरवाइजर सोमवार से बेमियादी हड़ताल पर चले गये थे। 3200 सफाई कर्मी के हड़ताल पर जाने से राजधानी रांची में लोगों के घरों से कचरे का उठाव नहीं हुआ था। कचरा उठाव नहीं होने से शहर में सोमवार को चारों ओर गंदगी फैल गयी थी।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम 10 से

रांची : झारखंड पुलिस राज्य के सभी जिलों में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन करेगी। डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर इस कार्यक्रम की शुरूआत 10 सितंबर से होगी। जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में 18 मुख्य मुद्दे पर आम जनता की समस्या सुनी जायेगी और उनकी मदद की जायेगी। कार्रवाई योग्य शिकायत पर त्वरित निदान करना और पुलिस द्वारा बनाये जा रहे सर्वोत्तम पद्धतियों को प्रदर्शित करना इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य है। साथ ही नागरिकों की समस्या को समझते हुए पुलिस व्यवस्था में आवश्यक नीतिगत सुधार करना भी कार्यक्रम का उद्देश्य है।

ड्रैगन टॉर्च से जंगलों की निगाहबानी करेगा वन विभाग

रांची: वन विभाग जंगल की सुरक्षा के लिए ड्रैगन टॉर्च का इस्तेमाल करेगा। इससे रात के अंधेरे में तस्करों के साथ-साथ जंगली जानवरों पर भी नजर रखी जायेगी। सभी वन प्रमंडल में विभाग 885 ड्रैगन टॉर्च उपलब्ध करायेगा। सबसे अधिक पलामू टाइगर रिजर्व के लिए 90 ड्रैगन टॉर्च उपलब्ध करायी जायेगी। इसके बाद हजारीबाग के जंगलों की निगाहबानी के लिए 60, रांची के लिए 50, चतरा और जमशेदपुर लिए 50-50 ड्रैगन टॉर्च उपलब्ध कराई जायेंगी। जंगल क्षेत्र में जानवरों के पीने पानी के लिए 770 चेक डैम का निर्माण किया जायेगा। बोकारो, धनबाद, रामगढ़, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज, कोडरमा, चाईबासा, जमशेदपुर, कोल्हान, पोराहाट, सरायकेला, सारंडा, लातेहार, मेदिनीनगर, गुमला, खूंटी, लोहरदगा और रांची में 20-20 चैकडैम बनाये जायेंगे। जबकि गिरिडीह में 40, देवघर में 35, चतरा में 40, हजारीबाग में 40, गढ़वा में 40 और सिमडेगा में 35 चेकडैम का निर्माण किया जायेगा। वहीं जंगल में मौजूद 618 परंपरागत जलस्त्रोतों का भी जीर्णोद्धार किया जायेगा।

झारखण्ड सरकार, सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशालय
सूचना भवन, राँची

इच्छा की अभिव्यक्ति
(Expression of Interest)

सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशालय, राँची द्वारा झारखण्ड के विभिन्न जिलों में स्थित CSC केन्द्रों में लगे एल०ई०डी० स्क्रीन पर सरकार के योजनाओं का प्रचार–प्रसार करने से संबंधित दर निर्धारण तथा एजेंसी को सुचिबद्ध करने हेतु निबंधित एवं अनुभवी फर्मों से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

इच्छा की अभिव्यक्ति से संबंधित नियम तथा शर्तें विभागीय वेबसाईट www.prdjharkhand.in तथा www.jharkhandtenders.gov.in से डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है।

निविदा से संबंधित विस्तृत महत्वपूर्ण सूचना निचे दी गई तालिका में अंकित है–

Sl. No.	Particulars	Details
1.1	EOI Reference No.	1329
1.2	EOI issuing Authority	Director, Information & Public Relations Department Government of Jharkhand, Address:-Suchna Bhawan, Ranchi.
1.3	Name of the Project	CSC केन्द्रों में लगे एल०ई०डी० स्क्रीन पर सरकार के योजनाओं के प्रचार–प्रसार करने से संबंधित दर निर्धारण तथा एजेंसी को सुचिबद्ध करने हेतु
1.4	Date of issue of tender document	03-09-2024; 04:00 PM
1.5	Last date and time of submission of EOI document	09-09-2024; 04:00 PM
1.6	Pre Bid Meeting	-
1.7	Date of opening of Bids/ EOI	10-09-2024; 04:00 PM
1.8	Mode of submission of Tender/ EOI	Online at www.jharkhandtenders.gov.in
1.9	EMD	The bidders are required to submit the EMD amounting Rs. 2,00,000/- (Two Lakhs Only) through Online Mode.
1.10	Address of communication	Information & Public Relations Department, Government of Jharkhand, Suchna Bhawan, Ranchi. Tel: 0651-2281522, 0651-2283458 E-mail: iprd123@gmail.com

SD/- Director
Information & Public Relations Department
PR 334483 IPRD (24-25)_D

डीएवी शिक्षा दीप विद्यालय में अंतर स्कूल वार्तालाप प्रतियोगिता

मेट्रो रेज

रांची: डीएवी शिक्षा दीप जयप्रकाश नगर विद्यालय मे अंतर स्कूल वार्तालाप प्रतियोगिता हेहल के प्राचार्य आनंद कुमार एवं डीएवी शिक्षा दीप विद्यालय जयप्रकाश नगर के प्राचार्य आलोक कुमार के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता मं दोनों विद्यालय के कक्षा छह, सात और आठ के छात्रों ने भाग लिया । इस कार्यक्रम के मुख्यअतिथि विद्यालय के निदेशक शिवनंदन पाठक एवं विशिष्ठ अतिथि छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, वरिष्ठ संरक्षक नामधारी प्रसाद मौजूद थे। मौके पर शिवनंदन पाठक ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा वार्तालाप जैसे प्रतियोगिता से झिझक दूर होती है बच्चे खुलकर अपने अपने विचारों को प्रकट करते हैं आगे भी विद्यालय मे पढ़ाई के साथ साथ ऐसी प्रतियोगिता का आयोजन कर विधालय के बच्चों को उत्साहित किया जाएगा। वार्तालाप प्रतियोगिता निर्णायक मंडली मे विद्यालय परिवार राकेश कुमार सिन्हा,रविता कुमारी, चेतना उपाध्याय शिक्षक शामिल थे। वार्तालाप प्रतियोगिता चार राउंड, 2 घंटे तक चली जिसमे सभी प्रतिभागियों ने शानदार चमत्कारिक प्रदर्शन किया परंतु अंतिम राउंड फ्री फायर राउंड था जिसमे सभी चयनित छात्रों से प्राचार्य आलोक कुमार द्वारा तुरंत पूछे गए प्रश्न के लिए 2 मिनट रखा गया था जिसमे दोनों विद्यालय के कुल 10 विद्यार्थी अविनव कुमार,अंशु कुमार,सिद्धार्थ कुमार,आशीष कुमार,गुंजन कुमारी डीएवी शिक्षा दीप हेहल शाखा एवं उत्कर्ष कुमार,तेजश कुमार, सूर्यांश कुमार,पीयूष रंजन, तनिस्का कुमारी डीएवी शिक्षा दीप जयप्रकाश नगर शाखा के विजेता बने।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION NO. -02. RANCHI

VERT SHORT NOTICE INVITING QUOTATION NO-08/2024-25

Sealed quotations are invited for the work

1	Supplying, Fitting and Fixing of File Storage Rack at Record Room of Building Construction Department and Caferia Coffee Table at First Floor of Conference Hall Building in the Campus of Project Building at HEC, Dhurwa, Ranchi

by the Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division No.-02, Ranchi sell of quotation paper will be on 11-09-2024 upto 1.00 pm, quotation paper received on dated-12-09-2024 at 3.00 p.m and will be opened on 12-09-2024 at 3.30 pm at B.C.D. Division No.-02, Ranchi by Executive Engineer or his authorized representative in the presence of Quotationers or their authorized representative, whosoever desire may remain present at the time of opening. Cost of Bid for work of S.No- 1. Rs. 2500.00, in shape of Demand draft (non refundable) on any State Bank Payable at SBI Main Branch, Ranchi (Code-0167) /any Schedule Bank, Payable at Ranchi in favour of The Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division No.-02, Ranchi.

Completion of work :- One Month.

The quotation should be accompanied with (1) Initial security deposit which will be 2% of the quoted amount in shape of Bank Guarantee or 5 Years/3 Years Post Office Term Deposit or N.S.C. (8th issue)/fixed deposits of a scheduled Bank duly pledged in favour of Executive Engineer, Building Division No.-02, Ranchi. (2) Updated Income Tax Return and GST Return (3) PAN Card (4) Similar nature of work experience.

In the case of Gazetted holiday the quotation will be received/opened on the next working day.

Executive Engineer
Building Construction Department
Building Division No-02, Ranchi
PR 334472 Building(24-25)#D

रामलखन सिंह यादव कॉलेज में चला आजसू का बेरोजगार बायोडाटा फार्म भराने का अभियान

रांची: अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा के नेतृत्व में रांची रामलखन सिंह यादव कॉलेज में आगामी नव निर्माण संकल्प सभा हेतु बेरोजगार युवाओं का बायोडाटा लिया गया। राज्य सरकार का इस बायोडाटा के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराया जाएगा कि राज्य में कितने छात्र एवं युवा बेरोजगारी का झेल रहे हैं। वर्तमान की महागठबंधन वाली सरकार सबसे ज्यादा छात्रों को ठगा है । बेरोजगारी भत्ता के नाम पर नौकरी के नाम पर वोट लेकर अपना वादा से मुकर गई । ये बायोडाटा संग्रह अभियान पूरे राज्य के विभिन्न कॉलेज, विश्वविद्यालय, लॉज, हॉस्टल लाइब्रेरी, प्रखंड पंचायत में चलेगी और फिर आगामी नव निर्माण संकल्प सभा के माध्यम से राज्य सरकार को सौंपने का काम आजसू करेगी । इस अवसर ओम वर्मा ,आनंद यादव,सिंटू कुमार, राजेश सिंह,अमर कुमार, प्रियांशु सिन्हा जमाल गद्दी,सौरभ शर्मा, कुमार व अन्य उपस्थित थे।

ऑपरेशन सतर्क के तहत आरपीएफ ने भारी मात्रा में जब्त की शराब

मेट्रो रेज

रांची: मण्डल मे आरपीएफ के मण्डल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर शराब की धरपकड़ के लिए लगातार अभियान जारी है । इसी क्रम में दो सितंबर को राँची स्टेशन पर शराब की बोतलें कुछ लोग ट्रेन से लेकर जानेवाले है। इस गुप्त सूचना पर रांची पोस्ट के निरीक्षक डी शर्मा को मिलने पर तत्काल उन्होंने इसे पकड़ने के लिए अपनी टीम बनाकर जिसमें आरपीएफ पोस्ट रांची के एसआई सूरज पांडे, एसआई सोहन लाल, स्टाफ बब्लू महतो, डीके सिंह, एम अंसारी, अफरोज आलम, संजय यादव तथा एस.पी रॉय थे, के साथ रांची रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर तलाशी ली और संदिग्ध दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया जो 04 बड़े आकार के ट्राली बैग एवं एक पिट्ठू बैग संदिग्ध अवस्था में ले जा रहे थे। जब उनसे उनके भारी सामान के बारे में पूछा गया तो दोनों हड़बड़ा गए। संदेह होने पर उसके ट्रॉली बैग और पिट्ठू बैग की जांच की गई तो ट्रॉली बैग में कुछ विविध शराब की 121 बोतलें, कीमत अनुमानित 1,52,250/-(एक लाख बावन हजार दो सौ पचास) रुपये पाया गया। पूछने पर उन दोनों ने अपना नाम रविशंकर कुमार, उम्र लगभग 24 वर्ष पुत्र बिहारी साव, निवासी महुआर, जिला पटना, बिहार और मनीष कुमार सिंह पुत्र अंबिका सिंह, निवासी दुलारपुर, भोजपुर, बिहार बताया और बताया कि उन दोनों ने सभी शराब की बोतलें रांची से खरीदी थीं और ट्रेन नंबर 18640 से बिहार में ऊंची कीमत पर बेचने जा रहे थे। बाद मे तमाम शराब कि बोतलों को एसआई सूरज पांडे ने उपलब्ध गवाह की उपस्थिति में मौके पर ही जब्त कर लिया। तीन सितंबर को गिरफ्तार दोनों व्यक्तियों सहित शराब कि बोतलों को आबकारी विभाग राँची को सुपुर्द किया गया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, रॉंची

अतिअल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

अतिअल्पकालीन ई– निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/RANCHI/15/2024-25 E-tender

1.कार्य की विस्तृत विवरणी:

क्र०सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	रिंग रोड अजय मुण्डा से नर्सरी गेट होते हुए डाडुपीढी टोली तक 4270 फीट पी०सी०सी० पथ का निर्माण।	91.214	1,82,500	10,000.00	03 Months
2	घर अंगना से जोड़नी नदी तक 2 कि०मी० ग्रेड–1 पथ निर्माण।	98.57	1,97,200	10,000.00	03 Months
3	ग्राम–साइम में लोधमाना मुख्य चौक से भाया रवि मुण्डा के घर होते हुए तक 4330 फीट पथ निर्माण।	80.68	1,61,400	10,000.00	03 Months
4	ओझासाइम से देवी मंडप तक 1 कि०मी० पी०सी०सी० पथ का निर्माण।	53.965	1,08,000	10,000.00	03 Months
5	तमेडम्हा मुख्य पथ से देवकनिया तक भाया डॉ० राम मनोहर लोहिया उच्च विद्यालय तक 4950 फीट पथ निर्माण।	89.744	1,79,500	10,000.00	03 Months
6	बुढ़मू प्रखंड अंतर्गत पंचायत सारले के ग्राम सुमु से टोला रखौत तक भाया विधालय होते हुए 5200 फीट पथ निर्माण।	90.00	1,80,000	10,000.00	03 Months
7	ओरमांझी प्रखंड के ग्राम झीरी आंगनबाड़ी केन्द्र से नकवा टोली विधालय तक पी०सी०सी० पथ निर्माण।	74.464	1,49,000	10,000.00	03 Months

2.वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 05.09.2024
3.ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 06.09.2024 से दिनांक 11.09.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4.ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, राँची।
5.ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 13.09.2024 अपराह्न 2:00 बजे
6.ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, राँची।
7.ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 7903003903
8.परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है, तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,
राँची
PR 334436 (Rural Development)24-25*D

सुविचार

जिन-जिन पर ये जग हंसा उस सब ने इतिहास रचा

उठे हिमाचल सरकार की पहल पर सवाल

हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार ने शादी की न्यूनतम आयु सीमा 21 साल करने का विधेयक पारित किया। इस कदम को लेकर कांग्रेस और अन्य पार्टियों में असमंजस है। यह विधेयक केंद्रीय कानून के खिलाफ है और इसके लागू होने में कानूनी बाधाएं हैं। इसके बजाय सरकार को लड़कियों को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार शादी की न्यूनतम आयु सीमा बढ़ाकर वास्तव में क्या हासिल करना चाहती है, समझना मुश्किल है। राज्य विधानसभा में इसी सप्ताह एक विधेयक पारित किया गया जिसके मुताबिक शादी की न्यूनतम आयु 21 साल कर दी गई। दिलचस्प है कि इस कदम पर प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी कांग्रेस ने भी हैरत जताई। राज्य विधानसभा में पारित होने के बावजूद इस विधेयक का कानून बनकर लागू होना मुश्किल है। इस विधेयक में चाइल्ड मैरिज (प्रॉहिबिशन) एक्ट 2006 को संशोधित किया गया है, जिसे संसद ने पारित किया था। जाहिर है, राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद भी लागू होने से पहले इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाना है। क्या देश भर में लागू एक कानून से अलग प्रावधान वाले इस विधेयक को राष्ट्रपति की हरी झंडी मिलेगी? इस विधेयक ने कांग्रेस पार्टी के लिए भी असहज हालात पैदा कर दिए हैं। साल की शुरूआत में जब केंद्र सरकार ने पिछली लोकसभा में इसी तरह का एक कानून लाने की कोशिश की थी तो कांग्रेस ने उसका विरोध किया था। ऐसे में अब उसी के शासन वाले राज्य में इस विधेयक के पारित होने के बाद उसके सामने सवाल आ गया है कि वह विधेयक की निंदा करे तो कैसे और उसका बचाव करे तो कैसे। सबसे बड़ी बात तो यह है कि राज्य में ऐसी किसी पहल की कोई मांग भी नहीं थी। ऐसा भी नहीं है कि हिमाचल बाल विवाह के मामले में अग्रणी राज्यों में आता हो। झारखंड जैसे राज्यों में हालात कहीं बदतर हैं। लेकिन अगर बाल विवाह के कुछ मामले राज्य में होते भी हैं तो कानून बनाकर उसे रोक लेने की सोच अव्यावहारिक और बचकानी कही जाएगी। लड़कियों की कम उम्र में शादी के पीछे गरीबी, शिक्षा की कमी, अवसर का अभाव और पितृसत्तात्मक सोच जैसे कारक हैं। देश में जैसे-जैसे इन मोर्चों पर हालात बदले हैं, बाल विवाह में भी कमी देखी गई है। नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 3 के मुताबिक देश में 20 से 24 साल के बीच की 47 फीसदी महिलाएं ऐसी पाई गईं जिनकी शादी 18 साल से कम उम्र में हो गई थी। नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे -4 में यह घटकर 27 फीसदी पर पहुंच गया और नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे -5 में और घटकर 23 फीसदी हो गया। इसके लिए कानून बदलने की कोई जरूरत नहीं पड़ी। जाहिर है, राज्य सरकार का मकसद चाहे जो भी हो, समस्या को सुलझाने में इस कदम से कोई मदद नहीं मिलेगी, उलटे इससे कानूनी उलझन और बढ़ेगी। बेहतर होगा, सरकार यह कदम वापस लेकर लड़कियों को सशक्त बनाने की दिशा में प्रयास तेज करे।

हिंसक तत्वों पर लगाम लगे

कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर के मामले ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु तक को निराश कर दिया है। उन्होंने कहा कि लोगों का गुस्सा जायज है। बंगाल में इस मुद्दे पर हिंसक प्रदर्शन और राजनीतिक टकराव ने स्थितियों को चिंताजनक बना दिया है। टकराव और हिंसक घटनाओं की वजह से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप और मर्डर के मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अगर निराश हैं, तो समझ सकते हैं कि हालात कितने बुरे हैं। राष्ट्रपति का कहना है कि देश के लोगों का गुस्सा जायज है और वह भी गुस्से में हैं। लेकिन इस गुस्से को जाहिर करने के लिए पश्चिम बंगाल में प्रदर्शन के दौरान जिस तरह की हिंसक घटनाएं हुईं, वे कम निराशाजनक या चिंताजनक नहीं। बीजेपी ने 12 घंटे का बंगाल बंद बुलाया था। इस दौरान कई जगह से बीजेपी और टीएमसी कार्यकताओं के बीच झड़प की खबरें आईं, एक बीजेपी नेता पर हमले का आरोप है। तमाम लोगों को हिरासत में लेना पड़ा। स्थिति यह थी कि सरकारी बस ड्राइवर हेलमेट पहनकर गाड़ी चलाते दिखे। पिछले कुछ दिनों से जो बंगाल भीतर ही भीतर सुलग रहा था, वह अचानक से फट पड़ा। राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस हो या विपक्ष की बीजेपी, दोनों ही पार्टियां महिलाओं की सुरक्षा चाहती हैं। फिर टकराव की स्थिति कैसे बन गई? इसका सीधा-सा जवाब है पॉलिटिक्स। महिलाओं पर होने वाले अत्याचार को राजनीति का मुद्दा न बनाने की अपील करने वाले नेता भी अपनी जरूरत के मुताबिक बड़े आराम से इसे राजनीति का रंग दे देते हैं। बंगाल में यही हो रहा है। टीएमसी प्रमुख और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने लगभग चेतावनी वाले अंदाज में कहा है कि अगर आग बंगाल में लगेगी तो यूपी, बिहार, असम और दिल्ली भी जलेंगे। इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया आ रही है, जो लाजिमी है। लेकिन, सोचने वाली बात है कि क्यों बंगाल बार-बार ऐसे हालात में फंसता है, जहां आग लगने की नौबत आ जाए। राज्य से थोड़े-थोड़े समय पर हिंसा की एक-जैसी तस्वीरें आती रहती हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीति जितनी आक्रामक है, उतनी ही हिंसक भी। शायद इसकी वजह वहां के राजनीतिक इतिहास में है। 1970 और बाद के दशकों में राज्य ने नक्सलवादियों और सीपीएम कार्यकताओं के बीच के हिंसक टकरावों को देखा। आरोप लगते रहे हैं कि कम्युनिस्ट दलों ने विपक्ष को पनपने नहीं दिया। बदलाव की उम्मीदें जगाकर आई टीएमसी भी हिंसा के उसी चक्रव्यूह में फंस गई। ऐसा लगता है कि जो असामाजिक तत्व पहले सक्रिय थे, वे अब भी अपना 'खेल' दिखा रहे हैं, बस पार्टी बदल चुकी है। पश्चिम बंगाल बेहद संवेदनशील राज्य है। वहां हुई कोई भी घटना पूरे देश पर असर डालती है। ऐसे में पक्ष हो या विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है कि जनमत को प्रभावित करने की प्रक्रिया में इस बात का खास ख्याल रखें कि हिंसक तत्वों को बढ़ावा न मिले।

महिला विरोधी अपराध के दलदल में भद्रलोक

अभी बहुत दिन नहीं हुआ, जब पश्चिम बंगाल के संदेशखाली से भी महिलाओं से बलात्कार की खबरें सामने आई थीं। वहां की घटना की जब परतें खुलने लगीं तो पता चला कि रेप की घटनाएं अपराध और राजनीति के नापाक गठजोड़ का नतीजा हैं। संदेशखाली को लेकर बंगाली समाज में उबाल तो आया, लेकिन वैसा नहीं, जैसा आरजी कर अस्पताल की दुराचार के बाद दिख रहा है।

उमेश चतुर्वेदी

अभी बहुत दिन नहीं हुआ, जब पश्चिम बंगाल के संदेशखाली से भी महिलाओं से बलात्कार की खबरें सामने आई थीं। वहां की घटना की जब परतें खुलने लगीं तो पता चला कि रेप की घटनाएं अपराध और राजनीति के नापाक गठजोड़ का नतीजा हैं।

बंकिम चंद्र की शस्य श्यामला माटी वाला पश्चिम बंगाल शक्ति पूजक समाज है। शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती दुर्गा के स्वागत में हर साल विभोर होती रही है। बंगाल में महिलाओं का सम्मान की कैसी परंपरा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। जहां मूर्ति बनाने के लिए उन वेश्याओं के घर से पहली मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें आम तौर पर समाज त्याज्य और गंदा मानता है। बंगाल की धरती कैसी नारी पूजक रही है, किस तरह वह नारियों का सम्मान करती रही है, इसके उदाहरण आजादी के आंदोलन के इतिहास में जैसे मिलते हैं, अन्य राज्यों में कम। स्वाधीनता संग्राम में जिन तीन महिलाओं ने आगे बढ़कर हिस्सा लिया और अपने ज्ञान और संघर्ष से भारत को आलोकित किया, वे तीनों बंगाल की बेटियां थी। पहली थीं अरूणा गांगुली, जो बाद में अरूणा आसफ अली बनीं, दूसरी थीं सुचेता मजूमदार जो बाद में सुचेता कृपलानी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। तीसरीं थीं सरोजिनी चट्टोपाध्याय जो बाद में भारत कोकिला सरोजिनी नायडू बनीं। बंगाल की माटी नारी की कितना सम्मान करती रही है, उसका एक और उदाहरण कमला देवी चट्टोपाध्याय भी रहीं। जब भारत के अन्य इलाकों की महिलाएं घूंघट के पीछे सिर्फ परिवार के कोल्हू में पिस रहीं थीं, तब बंगाल ने अपनी बेटियों को वाजिब सम्मान दिया और उन्हें आगे बढ़ाया। उस बंगाल में कभी महिलाओं के साथ बदसलूकी की कल्पना तक नहीं की जाती थी। वहां अब हालात कैसे बदल गए हैं, इसका अंदाजा लगाने के लिए राधागोविंद कर अस्पताल में हुई घटना को उदाहरण के रूप में लिया जा सकता है।

समूचा देश अपनी आजादी की 77 वीं सालगिरह के जश्न में थककर पंद्रह अगस्त की रात जब मीठी नींद के आगोश में था, भद्रलोक की राजधानी कोलकाता के राधा गोविंद कर यानी आरजी कर अस्पताल में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर की बर्बरता पूर्वक रेप के बाद हत्या कर दी गई। बंगाल में देर रात तक दफ्तर से लौटने वाली लड़कियों की कभी घरवाले चिंता तक नहीं करते थे, अब वे परेशान हो उठे हैं। बंगाल के लोग अपनी बच्चियों के लिए चिंतित हो उठे हैं। बंगाल की धरती पर शायद यह पहली ऐसी घटना है, जिसमें किसी महिला के साथ ऐसी बर्बरता की गई है। इससे शक्तिपूजक बंगाली समाज का क्रोध और क्षोभ से भरना स्वाभाविक है। दिलचस्प यह है कि पश्चिम बंगाल इकलौता ऐसा राज्य है, जिसे महिला मुख्यमंत्री का गौरव हासिल है। महिला के राज में किसी महिला के साथ ऐसा दुराचार लोगों के गले आसानी से नहीं उतर रहा। इसलिए बंगाल इन दिनों खौल रहा है। बंगाल के चुनिंदा बुद्धिजीवियों को छोड़ दें तो समूचा बौद्धिक समाज सड़कों पर उतर आया है। जो चुप हैं या व्यवस्था की तरफदारी कर रहे हैं, वे सत्ताधारी पार्टी के साथ हैं, सांसद या किसी अन्य पद पर हैं।

अभी बहुत दिन नहीं हुआ, जब पश्चिम बंगाल के संदेशखाली से भी महिलाओं से बलात्कार की खबरें सामने आईं थीं। वहां की घटना की जब परतें खुलने लगीं तो पता चला कि रेप की घटनाएं अपराध और राजनीति के नापाक गठजोड़ का नतीजा हैं। संदेशखाली को लेकर बंगाली समाज में उबाल तो आया, लेकिन वैसा नहीं, जैसा आरजी कर अस्पताल की दुराचार के बाद दिख रहा है। शायद संदेशखाली की पीड़िताएं ग्रामीण इलाकों की हैं, जबकि आरजी कर की घटना उस कोलकाता शहर की है, जिसे भद्रलोक समाज के लिए जाना जाता है।

पश्चिम बंगाल की कड़वी सच्चाई बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ। अवैध घुसपैठियों के समर्थन में बीजेपी छोड़ तकरीबन समूचा बंगाली राजनीति है। 34 साल के वामपंथी शासन के दौरान इस घुसपैठ को वैधता मिली। वामपंथी शासन व्यवस्था के दौरान पार्टी कैडर के नाम पर बड़ा झुंड उभरा। सरकार पर संगठन का नियंत्रण होना चाहिए, लोकतांत्रिक व्यवस्था में इसे स्वीकार किया जा सकता है। लेकिन संगठन की ओर से समानांतर व्यवस्था चलाना और शासन में हर स्तर पर हस्तक्षेप शासन की निष्पक्षता को तो खत्म करता ही है, शासन को पंगु भी बना देता है। प्रांत से लेकर ब्लॉक स्तर तक स्थापित वामपंथी व्यवस्था ने ऊपर से नीचे तक प्रशासन को अपना गुलाम बनाने में कामयाब रहा। प्रशासन और समानांतर पार्टी व्यवस्था ने मिलकर अपराध और राजनीति का मजबूत गठजोड़ बनाया। इस गठजोड़ में पैसा था, पॉवर था, ताकत थी। नीचे से मिले पैसे उपर तक पहुंचते रहे। जनता ठगी जाती रही है। पश्चिम बंगाल का समाज उस संस्थानिक व्यवस्था से इतना परेशान था कि संघर्षशील ममता बनर्जी में नई उम्मीद दिखी। बंगाली समाज को लगा कि संघर्षशील ममता नई बयार बनकर पश्चिम बंगाल की व्यवस्था में जमी काई को साफ कर देगी। उन्हें उम्मीद थी कि ममता अपने राजनीतिक औजारों से बंगाल की व्यस्था में जमे नासूर को साफ कर देंगी। लेकिन अफसोस ऐसा नहीं हुआ। ममता भी उसी कदम पर चल पड़ी। निचले स्तर पर जो वामपंथी कैडर था, वह ममता का कार्यकर्ता बन गया। अवैध घुसपैठ बनती रही। घुसपैठियों या पूर्वी बंगाल के लोगों को पश्चिम बंगाल को लोग बांगाल बोलते हैं। कहने का मतलब यह है कि बांगाल के हवाले होती रही राजनीति और सीमा के पार तक के अल्पसंख्यक तुष्टिकरण से प्रशासन लगातार या तो पंगु होता गया या फिर सत्ताधारी तंत्र का चारण बनता गया। प्रशासन का यह चारण रूप 16 अगस्त को भी दिखा, जब आरजी कर की पीड़िता की रिपोर्ट साढ़े ग्यारह बजे रात को दर्ज की गई, जबकि उसके साथ बलात्कार और उसका मर्डर पंद्रह अगस्त की रात को दो से ढाई बजे के बीच हो चुका था। इसे सुप्रीम कोर्ट ने भी नोटिस किया और कोलकाता पुलिस को डांट भी पिलाई। सुप्रीम कोर्ट जजों ने तो यहां तक कहा कि अपने तीस साल में ऐसा कभी होते नहीं देखा। पश्चिम बंगाल में ही हो सकता है कि भ्रष्टाचार के आरोप में पुलिस अधिकारी के घर केंद्रीय एजेंसी छापा मारने पहुंचे तो मुख्यमंत्री खुद दल बल अपने भ्रष्ट अधिकारी के पक्ष में धरना देने पहुंच जाएं। कुछ इसी अंदाज में ममता की अगुआई में कोलकाता में बलात्कार और कत्ल की घटना के विरोध में धरना दिया गया।

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक

बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बच्चों के बस्ते की औचक जांच की व्यवस्था की अपनी अहमियत हो सकती है। मगर जरूरत इस बात की है कि बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसा और आक्रामकता के कारणों को दूर करने को लेकर गंभीर काम किया जाए। उदयपुर की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है।

ललित गर्ग

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। कई घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। यह दुष्प्रवृत्ति बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर तो नकारात्मक प्रभाव डाल ही रही है, इसे भविष्य में समाज की शांति के लिए बड़ा खतरा भी मानना चाहिए। राजस्थान के उदयपुर के स्कूल में दो छात्रों के आपसी विवाद में चाकू मारने से एक छात्र की मौत भी बच्चों में पनप रहे इसी हिंसक बर्ताव का घिनौना एवं घातक रूप है। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है! पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बच्चों के बस्ते की औचक जांच की व्यवस्था की अपनी अहमियत हो सकती है। मगर जरूरत इस बात की है कि बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसा और आक्रामकता के कारणों को दूर करने को लेकर गंभीर काम किया जाए। उदयपुर की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। तहकीकात स्कूल की व्यवस्थाओं की भी होनी चाहिए कि आखिर बच्चा स्कूल में हथियार लेकर कैसे आ गया? इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। उम्र के इस पड़ाव पर उनको सही राह दिखाने की जिम्मेदारी परिजन और शिक्षक की ही होती है। आज दोनों ही कहीं न कहीं अपनी जिम्मेदारी से दूर होते नजर आ रहे हैं। स्कूल में केवल किताबी ज्ञान पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। वहीं अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा।

'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वछन्द हो जाते हैं। ह्यमूड ठीक नहींह्व की स्थिति में घटना सिर्फ घटना होती है, वह न सुख देती है और न दुःख। ऐसी स्थिति में बच्चे अपनी अनंत शक्तियों को बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मयार्दा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं। शिक्षकों और परिजनों से संवादहीनता के चलते बच्चों ने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया को संवाद का जरिया बना लिया है। कई बार टी.वी. पर हिंसक कार्यक्रम देखने आदि से बच्चों में हिंसक व्यवहार बढ़ जाता है। घर में लगातार बंदूकें, चाकू आदि देखते रहने से भी बच्चों का व्यवहार हिंसक हो जाता है। वैसे भी अगर बच्चों को किसी भी बात के लिए मना नहीं करेंगें, टोकेंगें नहीं तो उन्हें अच्छे-बुरे की पहचान कैसे होगी। एक ऑनलाइन सर्वे में माता-पिता ने कहा था कि बच्चों को गलत काम की सजा भी मिलनी चाहिए, वरना उनके मन में किसी भी बात के लिए डर नहीं रहेगा और हो सकता है वे ऐसे अपराधों को भी अंजाम देने लगें, जिनके परिणामों के बारे में उन्हें पता नहीं।

स्कूली बच्चों में पिछले कुछ समय से हिंसक प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जो समाज के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं है। मनोविज्ञानी यह मानते हैं कि मोबाइल पर पबजी जैसे खतरनाक गेम और वेब सीरीज बच्चों को हिंसक बना रही है। लेकिन, इसके पीछे न सिर्फ स्कूल का वातावरण, बल्कि लाड-प्यार में अंधे अभिभावकों का रवैया भी कम जिम्मेदार नहीं है। बच्चों में हिंसक व्यवहार के संकेत, जैसे गलत भाषा का प्रयोग करना, समझाने पर भी गुस्सा करना, कोई भी बात समझाने पर चीजें फैंकने लगना, मां-बाप को ही मारने दौडना, लोगों के बारे में गलत बोलना, गलत आदतों में पडना, भाई-बहन के लिए स्नेह न रखना, लड़ाकू प्रवृत्ति का होना, हमेशा उदास रहना, संवेदनहीन और चिड़चिड़े रहना, बार-बार जोश में आना आपको नजर आ सकते हैं। एकल परिवारों में माता-पिता इतने व्यस्त होते हैं कि उनके पास बच्चों से बात करने का ज्यादा समय नहीं होता। वे अक्सर इस बात पर भी नजर नहीं रख पाते कि बच्चे क्या कर रहे हैं, क्या खेल रहे हैं, उनके दोस्त कौन-कौन से हैं। दोस्त उन्हें चिढ़ाते भी हैं कि अरे! तुम्हारे माता-पिता कैसे हैं, जो तुम्हें ऑनलाइन खेल भी नहीं खेलने देते। इससे बच्चों में हीनता और अपने घर वालों के प्रति नफरत का भाव पैदा होता है, जो अपराध के रूप में बाहर निकलता है।

पुल, बाढ़ और इंसान

व्यंग्य

एस उत्सुक

पुल का बनना अलग बात है और पुल का गिरना अलग। अब जगह की किस्मत खराब हो तो पुल गिरने के पूरे अवसर होते हैं। बताते हैं फोरलेन पर बन रहे उस पुल का हिस्सा तीसरी बार गिर गया और इस बार तो पिलर ही डूब गया। अब चाहे पुल स्वत गिर जाने का कार्यक्रम अगले साल प्रायोजित होना हो लेकिन पुल, बाढ़ और इंसान का रिश्ता अटूट है। पुल का कर्तव्य है विकास का हिस्सा बनना, बाढ़ का कर्तव्य है किसी भी तरह पुल को नुकसान पहुंचाना और इंसान रुपी पत्थर का कर्तव्य है देखते रह जाना । हमारे देश के पुल गिरू राज्य में कई पुल अभी भी निमार्णाधीन हैं। फोरलेन सड़क पर पुल बनाना हो तो समय लगता है। बड़ा, लंबा और बढ़िया पुल बनाने में ज्यादा समय लगता है। अगर बजट मिलता रहे तो पुल बनता रहता है और निरंतर बनता रहे तो एक न एक दिन पूरा होने के आसार भी बने रहते हैं। पुल का बनना अलग बात है और पुल का गिरना अलग। अब जगह की किस्मत खराब हो तो पुल गिरने के पूरे अवसर होते हैं। बताते हैं फोरलेन पर बन रहे उस पुल का हिस्सा तीसरी बार गिर गया और इस बार तो पिलर ही डूब गया। वही हिस्सा चौथी बार गिर जाता तो चौका पूरा हो जाता। गंगा मां नामक नदी इस बार भी बाढ़ से परेशान रही, पानी का बहाव बहुत सहा लेकिन पुल के ज्यादा हिस्सों की किस्मत अच्छी थी । बाढ़ अगर बहुत ज्यादा मेहनत करती तो काफी हिस्सों की किस्मत बदल सकती थी। पड़ोसी गांव के बच्चे और बड़े, अचरज से इस महान पुल को दिन रात देखते होंगे। उन्हें आशंका तो लग रही होगी कहीं चौथी बार न गिर जाए। इस बीच प्रशासन ने संतुष्टि भरा बयान दिया, चाहे पुल तीन बार गिर गया लेकिन कोई इंसान हताहत नहीं हुआ यह सकारात्मक स्थिति है। आम लोग कभी संतुष्ट नहीं होते, उन्हें अभी तक पता नहीं चला कि निष्पक्ष जांच करना और करवाना बहुत मश्किल होती है। छोटे मोटे नेता तो आरोप लगाते रहते हैं लेकिन अब यह परवाह करने की बात नहीं रह गई है। वैसे भी पुल गिरू राज्य में कुछ दिन बाद पुल गिरने की खबर सुनने की रिवायत बन गई है। उधर कुछ लोग खुश हैं कि पुल खुद ही तीसरी बार गिर गया है। गलत ढंग से बने पुल को गिराने का काम इंसान करने लगते तो कितना समय और पैसा पानी की तरह बहाना पड़ता। इस खास मामले में हमें बाढ़ का शुक्रगुजार होना चाहिए कि लोगों की जानें बच गई जो आराम जा भी सकती थी। बताते हैं पुल पर ज्यादा नहीं 1700 करोड़ खर्च हो चुके हैं लेकिन पुल तीन बार गिर जाने के बाद भी काफी करोड़ रूपए बच गए और एक भी इंसान नहीं मरा यह सकारात्मक परिणाम है। इससे पुल, बाढ़ और इंसान खुश हैं और उनका अटूट रिश्ता सलामत है।

करियर टिप्स

कॅरियर स्विच करने का बना रहे हैं प्लान

कई बार ऐसा होता है कि लोग कॅरियर में स्विच करते हैं। जिस फील्ड को लोग चुनते हैं, उसको छोड़कर अन्य किसी इंडस्ट्री के साथ कनेक्ट हो जाते हैं। हालांकि ऐसा फैसला विभिन्न परिस्थितियों में लिया जाता है। कई बार प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए तो कभी अपनी पसंद की प्रोफेशन में जाने के लिए लोग कॅरियर स्विच करते हैं। ऐसे में अगर आप भी संबंधित फील्ड को छोड़कर कॅरियर स्विच करने के बारे में सोच रहे हैं, तो आपको कुछ जरूरी बातों को ध्यान में रखना चाहिए।अगर आप भी कॅरियर स्विच करने की सोच रहे हैं, तो सबसे पहले इस बात पर गौर करें कि आप अपने इस फैसले को लेकर कितना श्योर हैं। क्योंकि प्रोफेशन लाइफ में कदम रखने के बाद आप यह बहुत अच्छे से समझ सकते हैं कि इस मोड़ पर कॅरियर स्विच करना कैसा होगा। ऐसे में क्या आप इस फैसले के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। आप चाहें, तो संबंधित फील्ड के अनुभवी और एक्सपर्ट लोगों से सलाह ले सकते हैं। उनकी राय आपको सही फैसला लेने में मदद करेगी।

पवन सिंह, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज ब्रीफ

पीड़ित ने थाना प्रभारी से लगाई गुहार

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सकरी गली, मंगल बाजार निवासी मो इर्शाद ने जिरवाबाड़ी थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। बताया कि जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 207/22 के सूचक हैं। मामले में आरोपी की अग्रिम हाईकोर्ट से जमानत हुई है। इसके बाद से आरोपी केस उठाने की धमकी दे रहा है। आरोपी कथित डॉक्टर के गलत इलाज से उनके पिता की मौत हुई थी। इधर उसकी पत्नी अब केस उठाने की धमकी दे रही है। इंकार करने पर रुपया का लालच दे रही है। उन्हें और उनकी पत्नी को जान माल का खतरा है।

बीआरसी भवन में प्रखंड स्तरीय जनसुनवाई हुआ

साहिबगंज/मंडरो : प्रखंड संसाधन केंद्र मिर्जाचौकी में पीएम पोषण व समग्र शिक्षा अभियान योजना वित्तीय वर्ष 2022, 23 और 2023, 2024 के कुल 10 विधालयो के किए गए सामाजिक आंकेक्षण के उपरांत सोमवार को प्रखंडस्तरीय जनसुनवाई किया गया।? 10 विधालयों में अंकेक्षण में उभरे हुए मुद्दो पर सामूहिक निर्णय दिया गया जिसमे चखना पंजी,सरस्वती वाहिनी बैठक पंजी,कैश बुक ,पास बुक आदि का पंजी अपडेट कर प्रस्तुत किया गया। जनसुनवाई में उपस्थित प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी श्री मनीष कुमार,बीआरपी क्लाइमेंट सोरेन,सीआरपी रऊफ,सनाउल्लाह,शिक्षक और सामाजिक आंकेक्षण से उपस्थित डीआरपी श्री शंकर दास,क्षेत्रीय समन्वयक कौशर अंसारी और मनोज मुर्मू उपस्थित रहे।

झारखण्ड राज्य मुफस्सिल लिपिक मोर्चा 18 वें दिन भी हड़ताल पर

साहिबगंज : झारखण्ड राज्य मुफस्सिल लिपिक मोर्चा अपनी दो सूत्री मांगो को लेकर संघ के जिला अध्यक्ष जय प्रकाश सागर के नेतृत्व में 18 वा दिन भी हड़ताल में डटे रहे।जिला अध्यक्ष जय प्रकाश सागर ने बताया कि साहिबगंज शिक्षा विभाग के सभी लिपिक 16 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल में चले गए है।साथ ही कार्यालयों एवं विद्यालयों के सभी लिपिकों के द्वारा साहिबगंज समाहरणालय,के समक्ष धरणा भी दिया जा रहा है।उन्होंने बताया कि सभी लिपिकों का नियुक्ति तिथि से न्यूनतम ग्रेड पे-2400 किया जाए।साथ ही सभी विभागों के लिपिकों का एक समान सेवा शर्त एवं प्रोन्नति नियमावली लागू किया जाए।मौके पर जिला अध्यक्ष जयप्रकाश सागर,उपाध्यक्ष मो सबीहउद्दीन कोषाध्यक्ष इम्तियाज अहमद, प्रशान्त सिंह,राजकुमार झा, विनय कुमार हांसदा,सुब्रत यादव, मधुकर आनंद सहित संघ के कई लोग मौजूद थे।

झामुमो पार्टी आलाकमान का निर्णय सर्वपरि,पार्टी का सिपाही हूं : स्टीफन मुर्मू

साहिबगंज/बोरियो : झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य स्टीफन मुर्मू ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि विगत दिनों कुछ न्यूज चैनलों के द्वारा मेरे बोरियो विधानसभा से झामुमो से उम्मीदवारी को लेकर खबर चलाया गया था,जिस खबर का भरसक खंडन करता हूँ।साथ ही श्री मुर्मू ने कहा कि झारखण्ड मुक्ति मोर्चा पार्टी आलाकमान के द्वारा जो कार्य करने मुझे दिया गया मैं उसका निर्वहन कर रहा हूँ।मेरी विधानसभा चुनाव में दावेदारी या उम्मीदवारी को लेकर मैंने कभी भी किसी जगह नही कहा है।मैं झामुमो का सिपाही हूँ।झारखण्ड मुक्ति मोर्चा पार्टी आलाकमान जिस किसी को टिकट दे,उस निर्णय का स्वागत करूँगा।मैं उक्त खबरों का खंडन करता हूँ।उन्होंने कहा कि वह बोरियो विधानसभा को मजबूत करने में लगा हुआ हूँ।आगे भी यह कार्य जारी रहेगा।

झामुमो युवा जिलाध्यक्ष ने किया ग्रामीण क्षेत्र का दौरा

जामा। प्रखंड क्षेत्र के सिकटिया पंचायत के विभिन्न गांवो का झामुमो युवा जिलाध्यक्ष रामकृष्ण हेम्ब्रम एवं भुटोकोड़िया मुखिया सह युवा नेता कमीशन सोरेन ने सोमवार को दौरा किया। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों को झारखंड सरकार के महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं को विस्तार पूर्वक बताया । इधर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और उसके निदान का भरोसा भी दिया। मौके पर सिकटिया मुखिया गोखुल सोरेन आदि उपस्थित थे।

बहाली के नाम पर मौत की दौड़ करा रही सरकार : अनंत ओझा

रांची : भाजपा विधायक अनंत ओझा ने सोमवार को सदर अस्पताल साहिबगंज पहुंच कर उत्पाद सिपही की बहाली के लिए साहिबगंज में आयोजित दौड़ के दौरान बेहोश हुए अभ्यर्थियों से मुलाकात की और उनका हाल-चाल जाना। हर संभव मदद करने का आश्वासन भी दिया। अस्पताल में व्याप्त गंदगी पर नाराजगी जताते हुए अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों को जमकर लताड़ लगाई। उन्होंने कहा कि अस्पताल में इलाज के नाम पर मरीजों को नर्क में धकेला जा रहा है। राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए विधायक ने कहा कि उत्पाद सिपाही की बहाली के नाम पर सरकार मौत की दौड़ करा रही है। इस दौड़ के चलते राज्य भर में अब तक 9 से 10 युवाओं की जान जा चुकी है, वहीं सैकड़ों युवक बेहोश होकर अस्पताल पहुंच चुके हैं।

ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच शुरू

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : आगामी विधानसभा चुनाव 2024 की तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री हेमंत सती की उपस्थिति में साहिबगंज के ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम में ईवीएम की प्रथम स्तरीय जांच की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस प्रक्रिया के दौरान सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम को खोला गया और एफएलसी प्रथम स्तरीय जांच की शुरूआत की गई।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, एफएलसी की यह प्रक्रिया चुनावों की पारदर्शिता और निष्पक्षता को बनाए रखने के लिए की जाती है। इस प्रक्रिया के तहत चुनाव में उपयोग किए जाने वाले ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की फर्स्ट लेवल चेकिंग की जाती है। इस महत्वपूर्ण कार्य में ईवीएम की सभी तकनीकी और भौतिक स्थिति की जांच की जाती है।जिसमें मशीनों के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण, सफाई और पहले के डाटा को साफ करना शामिल होता है।जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री हेमंत सती ने स्वयं इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी की और सभी सुरक्षा पहलुओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा में तैनात जवानों को प्रवेश गेट की निगरानी के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।एफएलसी एफ एलसी की प्रक्रिया में क्या-क्या किया जाता है। एफएलसी एफ एलसी के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों को सुनिश्चित किया जाता है।जिसमें मशीनों की सफाईसभी ईवीएम और वीवीपैट मशीनों से पहले की चुनावी सामग्री जैसे एड्रेस टैग बैलेट पेपर आदि को हटाया जाता है और मशीनों को साफ किया जाता है। दृश्य निरीक्षण मशीनों के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनमें कोई संरचनात्मक क्षति या टूट-फूट न हो। पूर्ण कार्यक्षमता परीक्षणः सभी स्विच और अन्य इलेक्ट्रॉनिक घटकों की जांच की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मशीनें ठीक से काम कर रही हैं। इस दौरान, मशीनों के प्लास्टिक कैबिनेट को खोलकर उनके अंदर के पीसीबी और अन्य घटकों की भी जांच की जाती है।

मॉक पोल मॉक पोल के माध्यम से मशीनों की वास्तविक समय में जांच की जाती है। इसमें विभिन्न प्रत्याशियों के लिए वोट डाले जाते हैं और फिर परिणामों की पुष्टि की जाती है। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को यह सुनिश्चित करने का अवसर दिया जाता है कि मशीनें ठीक से काम कर रही हैं और कोई विसंगति नहीं है। इसके अतिरिक्त, इस प्रक्रिया की पूरी वीडियोग्राफी और वेबकास्टिंग भी की जाती है, ताकि निर्वाचन आयोग के अधिकारी इसे लाइव देख सकें।

आदिम जनजाति परिवार तक आजादी के बाद भी पक्की सड़क नहीं पहुंच पाई है

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/मंडरो : सरकार और प्रशासन भले ही लाख दावे कर ले लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। साहिबगंज जिले के मंडरो प्रखंड के सीमड़ा पंचायत के पहाड़ पर बसे डोढा मोतीझील अन्य स्थानों पर निवास कर रहा आदिम जनजाति परिवार तक आजादी के बाद भी पक्की सड़क नहीं पहुंच पाई है। सरकार यह दावा करते हुए नहीं थकती गांव गांव तक पक्की सड़क पहुंच गई है। लेकिन ऐसा कितना पहाड़ों पर गांव- गांव तक जाने के लिए पक्की सड़क तक नहीं है। जिससे आप देख सकते है की स्वास्थ्य कर्मी कच्ची सड़क मार्ग पर किस प्रकार से अपनी स्कूटी लेकर जा रहे है। यह फोटो मंडरो प्रखंड क्षेत्र के डोढा, मोतीझील पहाड़ पर जाने वाला रास्ता का बताया जारहा है।डोढा मोतीझील पहाड़ पर रहने वाला आदम जनजाति ग्रामीणों का इलाज के लिए पीभीजीटी स्वास्थ्य कर्मी का टीम ईलाज के लिए गांव के लिए रवाना हुई गांव तक जाने के लिए पहाड़ों का रास्ता कठिनाई फड रहा है । साफ साफ देखा जा सकता है। तीन से चार स्वास्थ्य कर्मी पहाड़ों के कच्ची सड़क पर में स्कूटी फंस गया है। एक व्यक्ति द्वारा काभी प्रयास करने के बाबजूद कच्ची सड़क से स्कूटी नहीं निकाल पाया आखीरकार महिला स्वास्थ्य कर्मी को पहाड़ पर रहने वाला आदम जनजाति ग्रामीण का स्वास्थ्य जांच के लिए पैदल रवाना होना पड़ा पहाड़ पर जाने के लिए कच्ची सड़क पर पक्की सड़क बनाया जाता आज पहाड़ पर रहने वाले आदम जनजाति ग्रामीण और स्वास्थ्य कर्मी को स कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ता।

डॉ. हसमत अली की लिखित केमेस्ट्री पुस्तक का हुआ विमोचन

दुमकाः सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के कुलपति प्रो (डॉ) बिमल प्रसाद सिंह ने सोमवार को स्नातकोत्तर रसायनशास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.हसमति अली द्वारा लिखित पुस्तक स्टीरियोकेमिस्ट्री ऑफ ऑर्गेनिक एंड इनऑर्गेनिक कंपाउंड्स का लोकार्पण किया। पुस्तक के लेखक डॉ. हसमति अली ने कहा कि यह पुस्तक यूजी और पीजी कोर्स के साथ-साथ सिविल सेवा परीक्षा और विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए भी उपयोगी है। इस पुस्तक का प्रकाशन यूनिवर्सिटी पुब्लिकेशन, नई दिल्ली द्वारा किया गया है। पुस्तक का लोकार्पण करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिमल प्रसाद सिंह ने पुस्तक के लेखक डॉ. हसमत अली की प्रशंसा की और कहा कि ऐसे शैक्षिक कार्यों का स्वागत किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि डॉ.हसमति अली विश्वविद्यालय में विज्ञान संकाय के डीन समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार, सीसीडीसी डॉ. अब्दुस सत्तार, गणित विभागाध्यक्ष डॉ.डीएन गोराय और हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. बिनय कुमार सिन्हा आदि मौजूद थे।

किशोरी का हुआ मेडिकल जांच

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के एक गांव की एक किशोरी का सोमवार को सदर अस्पताल में मेडिकल जांच हुई। मामले में थाना में 2 अगस्त 2024 को कांड संख्या 73/24 दर्ज हुआ है। पुलिस के अनुसार किशोरी को बहला फुसला कर उसका दूर का जीजा उत्तम कुमार अपने साथ अपनी बहन के यहां खगड़िया लेकर चला गया था। इसके बाद वहां रिश्तेदारों की मौजूदगी में शादी कर ली। फिर सूरत लेकर चला गया। 4 महीने बाद फिर उसे खगड़िया और फिर साहिबगंज लेकर आया। इसके बाद साहिबगंज से फरार हो गया। लकड़ी वालों के पूछने पर उसने दहेज के तौर पर 2 लाख रुपये और बाइक की मांग की। गांव में पंचायती भी हुई लेकिन लकड़ा वहां नहीं पहुंचा। जिसके बाद किशोरी की मां के आवेदन पर आरोपी उत्तम कुमार व अन्य पर मामला दर्ज किया गया है।

अभी भाजपा के सक्रिय सदस्य के रूप कार्य कर रहा हूं : बाबूलाल

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : भाजपा नेता राजकुमार यादव ने रांची में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुलाकात कर राजमहल विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए अपना बायोडाटा सौपा।उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से कहा कि वह अभी भाजपा के सक्रिय सदस्य के रूप कार्य कर रहा हूँ।उन्होंने कहा कि वह पूर्व में राजमहल खादान मजदूर संघ संबद्धता भारतीय मजदूर संघ के साथ कार्य करने का अनुभव है,मजदूरों की मांग को लेकर कई आंदोलन भी किया।इस दौरान उन्हें जेल भी जाना पड़ा था।आगे कहा कि वह आपके साथ झारखंड विकास मोर्चा (प्रजा०)जिला अध्यक्ष के रूप में तीन बार कार्य कर चुका हूँ।इससे उन्हें साहिबगंज जिला में संगठन चलाने का अनुभव है।वह विगत 2019 में झारखंड विकास मोर्चा पार्टी से राजमहल विधानसभा का चुनाव भी लड़ चुका है।उन्होंने बाबूलाल मरांडी से कहा कि जनता की मांग को देखते हुए उन्हें एक बार राजमहल विधानसभा में जनता की सेवा करने का मौका दिया जाए।

आग लगने से हजारों की संपत्ति जलकर राख

जामा। थाना क्षेत्र के चिगलपहाड़ी पंचायत के घाघरा गांव में रीता देवी, पति निताई मांझी के घर में रविवार रात 10 बजे अचानक आग लग जाने से हजारों की संपत्ति जलकर राख हो गयी। घर के मालिक रीता देवी ने अंचलाधिकारी को आवेदन देकर बताया है कि आग लगने से खपड़ैल का घर, अनाज, कपड़ा, राशन आदि जलकर राख हो गया है। घर के मवेशियां भी आग के चपेट में आने से घायल हो गयी है। उन्होंने अंचलाधिकारी से उचित मुआवजा और आवास मुहैया कराने की मांग की है। वहीं रीता देवी का देवर राजकुमार मांझी ने भी कहा है कि आग उसके घर में भी लग गई थी जिससे उसके खपड़ैल का घर, अनाज, पुआल आदि जलकर राख हो गया है। जिससे करीब हजारों की संपत्ति नष्ट हुई है। उन्होंने भी अंचलाधिकारी से घटना की जानकारी देकर कहा कि जांच कर आर्थिक सहायता एवं आवास योजना का लाभ दिलाने की गुहार लगायी है।

डॉ राजीव रंजन सिन्हा बने एसकेएमयू के नये ओएसडी लीगल

दुमका। स्नातकोत्तर भौतिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ.राजीव रंजन सिन्हा को सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका का नया ओएसडी लीगल नियुक्त किया गया है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ.राजीव कुमार ने सोमवार को कार्यालय आदेश जारी किया। जारी आदेश के अनुसार डॉ.रंजन को अगले आदेश तक ओएसडी लीगल नियुक्त किया गया है। डॉ.रंजन अपने सामान्य कार्यों के अतिरिक्त ओएसडी लीगल का कार्य भी करेंगे। ज्ञात हो कि उनसे पहले यह कार्य स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. बिनोद मुर्मू कर रहे थे।

ग्रामीणों की समस्या का हो समाधान और मिले योजनाओं का लाभ : धर्मवीर

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : सोमवार को नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या 12 एवं 13 के लिए अरबन हेल्थ वेलनेस सेंटर खेतोरीपड़ा परिसर में आपकी योजना,आपकी सरकार, आपके द्वार,कार्यक्रम आयोजित की गई! जिसमें सरकारी विभागों द्वारा कई स्टाइल लगाकर ग्रामीणों की समस्या को दूर करने का प्रयास किया गया वही झामुमो नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो ग्रामीणों की समस्या से सीधे तौर पर रूबरू हुए,इस दौरान कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को सरकार की योजनाओं की पूर्ण जानकारी देते हुए उन्हें हर संभव लाभ दिलाना है,लाभुकों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रखण्ड कार्यालय व नगर पंचायत कार्यालय के चक्कर न कटाना पड़े इसके लिए यह सुविधा मुहैया कराई जा रही है।जिससे लोगों को आसानी से योजनाओं का लाभ मिल सके,इसके मदेनजर सभी क्रर्मियो को आवेदकों के आवेदन को जाँच कर विधिवत कार्यवाही कर लाभ दिलाने के लिए निर्देशित किया गया है।मौके पर पुरुषोत्तम देव, सरोज, आमीन, मुकेश, सहीतअन्य नगर पंचायत के कर्मी, झामुमो से नगर सचिव मोहम्मद इकबाल हुसैन, नगर कोषाध्यक्ष दिनेश सेन, सुशील सेन, बाबू साहा, सहीत अन्य उपस्थित थे।

नताशा स्टेनकोविक सर्बिया की रहने वाली हैं। वह एक डांसर और अभिनेत्री भी हैं। साल 2012 में बॉलीवुड में वह काम करने के इरादे से भारत आई थीं।

हार्दिक से तलाक लेने के बाद मुंबई लौटी नताशा

नतासा स्टेनकोविक ने हाल ही में हार्दिक पंड्या से तलाक के बाद मुंबई वापस आ गयी हैं। 15 जुलाई को वह बेटे के साथ सर्बिया गई थीं। 18 जुलाई को उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर तलाक का ऐलान किया था। इसके बाद वह सर्बिया में बेटे के साथ समय बिता रही थीं। अब हाल ही में नताशा वापस आ गई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर कर यह अपडेट दिया है।

नताशा सोमवार सुबह 6 बजे मुंबई पहुंचीं। उन्होंने एयरपोर्ट से एक फोटो शेयर की है। हालांकि, उन्होंने अगस्त्य की फोटो नहीं दिखाई है। इसलिए यह भी संभावना है कि वह अकेले ही मुंबई आई हों। उन्होंने फोटो को कैप्शन दिया, 'हैलो मुंबई'। मुंबई आते ही बारिश देखकर उन्होंने ये कैप्शन दिया।

नताशा स्टेनकोविक सर्बिया की रहने वाली हैं। वह एक डांसर और अभिनेत्री भी हैं। साल 2012 में बॉलीवुड में वह काम करने के इरादे से भारत आई थीं। उन्होंने प्रकाश झा की फिल्म 'सत्याग्रह' में काम किया। वह बिग बॉस 8 में भी नजर आई थीं। वह एक महीने तक इसी घर में थी। बाद में नताशा ने कुछ ब्रांड एंडोर्समेंट, सहयोग और फिल्में कीं। उनकी नेट वर्थ 20 करोड़ है।

नई कार रेंज रोवर एसयूवी में घूमते नजर आए सिद्धार्थ कियारा

बॉलीवुड सेलिब्रिटी एक के बाद एक नई कार खरीद रहे है। ऐसा लगता है कि कई मशहूर हस्तियों को रेंज रोवर एसयूवी से प्यार हो गया है। रणबीर कपूर के बाद संजय दत्त, आयुष्मान खुराना, सिद्धार्थ मल्होत्रा भी ने रेंज रोवर ली है। सिद्धार्थ और कियारा अपनी नई कार में घूमते नजर आए और उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सिद्धार्थ-कियारा की नई रेंज रोवर की कीमत तीन करोड़ है। इस कार में कई आधुनिक फीचर्स हैं, जो इस कार को खास बनाते हैं। रेंज रोवर एसयूवी मौजूदा लग्जरी कारों में सबसे आगे है। इसीलिए सेलिब्रिटीज इस कार को लेना पसंद करते हैं। हाल ही में सिद्धार्थ-कियारा को मुंबई की सड़कों पर नई कार में घूमते देखा गया। इस बार पैपराजी ने उन्हें कैमरे में कैद कर लिया। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सिद्धार्थ मल्होत्रा के पास पहले से ही रेंज रोवर वोग और मर्सिडीज बेंज एमएल क्लास एसयूवी मौजूद हैं, जबकि कियारा के पास एक ऑडी एबीएस और एक बीएमडब्लू 530डी है। सिद्धार्थ और कियारा फरवरी 2023 में शादी के बंधन में बंधे थे। उनका विवाह समारोह जैसलमेर में आयोजित किया गया था। उनकी शादी के कई वीडियो खूब वायरल हुए थे।

आईसी 814 वेब सीरीज पर नया विवाद

नेटफ्लिक्स के इंडिया कंटेंट हेड को समन

पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन हरकत-उल-मुजाहिदीन ने 1999 में इंडियन एयरलाइंस के विमान आईसी 814 का अपहरण किया था। इसी पर आधारित वेब सीरीज आईसी 814 पर एक बार फिर विवाद शुरू हो गया है। सरकार ने नेटफ्लिक्स के भारतीय कंटेंट हेड को समन भेजा है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का यह समन तब आया जब सैकड़ों सोशल मीडिया उपयोगकताओं ने आरोप लगाया कि वेब सीरीज के निमार्ताओं ने जान-बूझकर अपहरणकताओं के नाम बदलकर 'भोला' और 'शंकर' कर दिया है। नेटफ्लिक्स इंडिया की कंटेंट हेड मोनिका शेरगिल को वेब सीरीज के विवादास्पद पहलुओं को समझाने के लिए 2 सितंबर को उनके सामने पेश होने का निर्देश दिया गया है। इस वेब सीरीज का निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है। इस वेब सीरीज की शुरूआत में बताया गया है कि आईसी 814: द कंधार हाईजैक स्टोरी अपहृत कैप्टन देवी शरण की किताब पर आधारित है। इस किताब को 24 साल हो गए हैं। इस पुस्तक को हजारों लोगों ने खरीदा और पढ़ा है।

क्या है विरोध की वजह

काठमांडू से दिल्ली आ रही फ्लाइट में आतंकियों ने लोगों को भ्रमित करने के लिए कोड नाम बताए थे, जिसका इस्तेमाल इस वेब सीरीज में किया गया है। जैसे, चीफ, डॉक्टर, बर्गर, भोला और शंकर। अंतिम दो नामों को लेकर विरोध जताया गया है। किताब में बताया गया है कि आतंकवादी अपनी पहचान छिपाने के लिए इन नामों का इस्तेमाल करते हैं।

'द बकिंघम मर्डरस' का ट्रेलर लॉन्च होने से पहले करीना कपूर खान का दिलचस्प पोस्टर हुआ रिलीज

करीना कपूर खान, एकता कपूर और हंसल मेहता के प्रोजेक्ट 'द बकिंघम मर्डर्स' की घोषणा के बाद से दर्शकों में भारी उत्साह था। लोग जानने के लिए बेताब थे कि यह तिकड़ी क्या नया लेकर आ रही है। रिलीज से पहले ही फिल्म चर्चा का विषय बन गई थी, इसका ग्लोबल प्रीमियर लंदन फिल्म फेस्टिवल 2023 में हुआ। मुंबई फिल्म फेस्टिवल 2023 में इसका प्रदर्शन किया गया, जहां इसे शानदार रिव्यू और रिस्पॉन्स मिला। इसके बाद मेकर्स ने एक आकर्षक टीजर और पहला गाना, 'साडा प्यार टूट गया' रिलीज किया, जिसने मिस्ट्री थ्रिलर में रुचि बढ़ा दी। अब उन्होंने बड़े ट्रेलर लॉन्च से पहले करीना कपूर खान के नए लुक के साथ एक आकर्षक पोस्टर रिलीज किया है। 'द बकिंघम मर्डर्स' के इस आकर्षक पोस्टर में करीना कपूर खान को एक पॉवरफुल एक्सप्रेशन के साथ पेश किया गया है, जो पोस्टर को बहुत ही आकर्षक बनाता है। कल बड़े ट्रेलर लॉन्च के साथ, इस पोस्टर ने ट्रेलर के लिए सभी की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। 'द बकिंघम मर्डर्स' करीना कपूर खान की प्रोड्यूसर के रूप में पहली फिल्म है। लगता है कि वह एक दिलचस्प और रहस्यमय कहानी स्क्रीन पर ले कर आ रही है। यह फिल्म एकता कपूर और करीना कपूर खान के बीच एक और पार्टनरशिप है। इससे पहले वे 'वीरे दी वेडिंग' और 'क्रू' जैसी हिट फिल्में दे चुकी हैं। इस फिल्म के साथ वे मिस्ट्री थ्रिलर जॉनर में अपनी जबरदस्त मौजूदगी दर्ज कराने जा रही हैं। द बकिंघम मर्डर्स 13 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में करीना कपूर खान, ऐश टंडन, रणवीर बरार और कीथ एलन जैसे टैलेंटेड स्टार्स हैं। ये फिल्म हंसल मेहता ने डायरेक्ट की है। असीम अरोड़ा, कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ ने कहानी लिखी है। यह महाना फिल्म्स और टीबीएम फिल्म्स का प्रोडक्शन है, जिसे बालाजी टेलीफिल्म्स ने प्रेजेंट किया है। फिल्म को शोभा कपूर, एकता आर कपूर और पहली बार प्रोड्यूसर बन रही करीना कपूर खान ने प्रोड्यूस किया है।

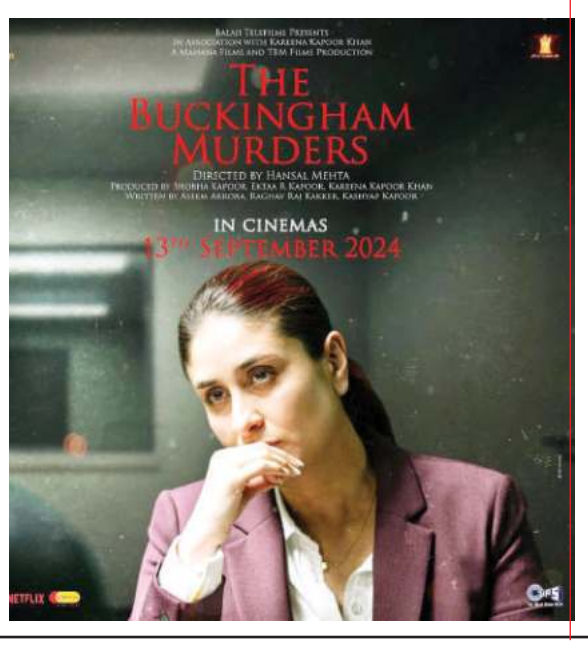

मशहूर रैपर सिंगर हनी सिंह का चौंकाने वाला खुलासा

ड्रग्स ने उनकी जिंदगी कर दी बर्बाद

क्या बॉलीवुड कलाकारों की चमचमाती दुनिया वाकई सुख और शांति का स्रोत है? ये सवाल आम लोग हमेशा पूछते हैं। बॉलीवुड में ऐसे कई एक्टर, सिंगर, रैपर्स हैं जिनकी जिंदगी शोहरत पाने के बाद बर्बाद हो गई। हाल ही में एक पॉपुलर रैपर ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कैसे ड्रग्स ने उनकी जिंदगी बर्बाद कर दी। उसकी मानसिक स्थिति खराब हो गई थी।बॉलीवुड के मशहूर सिंगर हनी सिंह हमेशा चर्चा में रहते हैं। जल्द ही उनका एल्बम 'ग्लोरी' आने वाला है। वह इन दिनों इस एल्बम का प्रमोशन करते नजर आ रहे हैं। हनी सिंह ने कहा है कि यह एल्बम उनकी विवादास्पद जिंदगी के बारे में है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे ड्रग्स ने उनकी जिंदगी बर्बाद कर दी। उसकी मानसिक स्थिति खराब हो गई थी। इस बात को समझते हुए हनी ने बाकी सब कुछ छोड़ दिया और केवल स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी। उन्हें ठीक होने में 7 साल लग गए लेकिन इसी बीच उनका अपनी पत्नी शालिनी से भी अलगाव हो गया। हनी सिंह ने कहा, 'मुझे पैसे, ड्रग्स और महिलाओं की लत लग गई थी।' हनी सिंह की जिंदगी काफी विवादित रही है। अब उन्होंने वापसी कर ली है। अपने एल्बम का प्रमोशन कर रहे हनी सिंह ने एक इंटरव्यू में ??कहा, 'शादी के 9 से 10 महीने अच्छे बीते। उसके बाद हमारे रिश्ते अच्छे नहीं थे। चूंकि मैं बहुत यात्रा कर रहा था, इसलिए हमारे बीच दूरी थी। पहले तो चीजें अच्छी थीं। फिर सफलता और प्रसिद्धि मेरे सिर चढ़ गई। मैं पैसे, शोहरत, ड्रग्स और महिलाओं का आदी था। मैंने खतरनाक चीजें कीं। मैं पत्नी शालिनी के बारे में लगभग भूल ही गया था।'

7 साल बाद नशे की लत से छुटकारा मिल गया

आपने अपनी लत पर कैसे काबू पाया? ये सवाल आगे हनी सिंह से पूछा गया। उन्होंने कहा, 'मैंने इस बात पर जोर दिया कि इन सभी व्यसनों से छुटकारा पाने के लिए मुझे पुनर्जन्म लेने की जरूरत नहीं है। मैंने शराब, चरस और अन्य पदार्थ छोड़ दिये। मैंने अपने परिवार को अपने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इसका तुरंत इलाज करना जरूरी है। मैंने अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी और ठीक होने तक काम करने से इनकार कर दिया। इसे ठीक होने में 7 साल लग गए।'

नशे की शुरूआत बड़े लोगों की वजह से हुई

इस इंटरव्यू में हनी सिंह से पूछा गया कि उन्हें ड्रग्स से किसने परिचित कराया? इस पर हनी ने जवाब दिया, 'कुछ नाम हैं, बहुत प्रभावशाली नाम। उन्होंने मुझे बहुत परेशान किया।

राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप

विथ्या ने 400 मीटर बाधा दौड़ में पी.टी. उषा का 39 साल पुराना मीट रिकॉर्ड तोड़ा

बेंगलुरु। विथ्या रामराज ने सोमवार को यहां श्री कांतीरवा स्टेडियम में 63वीं राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में शानदार प्रदर्शन के साथ 39 साल पुराना मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया। विथ्या (56.23 सेकंड) ने 1985 में पी.टी. उषा (56.80 सेकंड) द्वारा बनाए गए मीट रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 2022 एशियाई खेलों में 400 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य पदक जीतने वाली विथ्या ने कहा,,'पी.टी. उषा एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनका मीट रिकॉर्ड कई सालों से कायम है। मेरे कोच चाहते थे कि मैं इस लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़ूं। वह चाहते थे कि मेरा नाम रिकॉर्ड सूची में शामिल हो।' विथ्या के कोच नेहपाल सिंह ने थोड़ी अतिरिक्त प्रेरणा देते हुए अपनी शिष्या से वादा किया कि अगर वह 57 सेकंड से कम समय में दौड़ पाती है तो उसे पांच दिन की छुट्टी मिलेगी। विथ्या ने कहा, 'मैं इस छुट्टी का उपयोग कोयंबटूर में अपने माता-पिता के साथ समय बिताने के लिए करूंगी। मैंने उन्हें एक साल से नहीं देखा है।' पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में तमिलनाडु के नितिन (20.66 सेकंड) ने नया मीट रिकॉर्ड बनाया। पुराना रिकॉर्ड अनिमेष कुजूर (20.74 सेकंड) के नाम था। एन्सी सोजन ने महिलाओं की लंबी कूद में जीत हासिल की और उन्हें सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट घोषित किया गया। एन्सी की 6.71 मीटर की छलांग अंजू बॉबी जॉर्ज (6.74 मीटर, 2002) के मीट रिकॉर्ड से बस थोड़ी ही पीछे थी।

स्मिथ, क्लार्कसन को पहली बार मिला एनजेडसी केंद्रीय अनुबंध

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने ऑलराउंडर नाथन स्मिथ और जोश क्लार्कसन को पहला अनुबंध दिया है। यह जोड़ी प्रभावी रूप से डेवोन कॉनवे और फिन एलन की जगह लेगी, जिन्होंने फ्रैंचाइज क्रिकेट के अवसरों का लाभ उठाने के लिए केंद्रीय अनुबंध से बाहर निकलने का विकल्प चुना था। 26 वर्षीय स्मिथ को मार्च में एनजेडसी अवार्ड्स में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ घरेलू खिलाड़ी चुना गया था, जिन्होंने प्लंकेट शील्ड में मात्र 17 की औसत से 33 विकेट लिया था और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। उन्होंने कैंटरबरी के खिलाफ 36 रन देकर 6 विकेट लिया था, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रथम श्रेणी प्रदर्शन था। स्मिथ ने सफेद गेंद के प्रारूप में अपना प्रदर्शन जारी रखा, जिसके बाद उन्होंने फोर्ड ट्रॉफी और सुपर स्मैश टूर्नामेंट में क्रमशः 11 और 13 विकेट लिए। इस बीच, 27 वर्षीय क्लार्कसन ने पिछले दिसंबर में न्यूजीलैंड के लिए व्हाइट-बॉल में पदार्पण किया और तब से तीन वनडे और छह टी20 मैच खेले हैं। वह 2022-23 के सफल घरेलू सत्र के बाद सुर्खियों में आए, जिसमें सेंट्रल स्टैग्स को प्लंकेट शील्ड और फोर्ड ट्रॉफी दोनों जीताने में मदद की।

पेरिस 2024 पैरालिंपिक : नित्या श्री ने महिला एकल एसएच6 श्रेणी में जीता कांस्य पदक

पेरिस। भारत की नित्था श्री सिवन ने सोमवार देर रात इंडोनेशिया की रीना मार्लिना को 21-14, 21-6 से हराकर महिलाओं की एसएच6 श्रेणी में कांस्य पदक जीता। पिछले पदक समारोह के बाद तकनीकी समस्याओं के कारण लगभग एक घंटे तक प्रतीक्षा करने के बाद 19 वर्षीय भारतीय ने इंडोनेशियाई पैरा शटलर को मात्र 23 मिनट में हरा दिया। इस पदक के साथ, भारत ने टोक्यो में बैडमिंटन में मिले अपने चार पदकों की संख्या को पार कर लिया। मैच के बाद तमिलनाडु की उत्साहित पैरा शटलर ने कहा, 'मैं

अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में असमर्थ हूँ। यह मेरा सबसे अच्छा क्षण होगा। मैंने उसके (रीना) खिलाफ 9-10 बार खेला है, लेकिन उसे कभी नहीं हराया है। मैं अपने पिछले अनुभव के कारण जब मैं आगे थी, तब भी खुद से कह रही थी कि ध्यान केंद्रित रखूँ और इसे आसान न लूँ। मैंने खुद को मानसिक रूप से तैयार किया कि जल्दी जश्न न मनाऊँ।' निथ्या ने चीन के हांग्जो में आयोजित 2022 एशियाई पैरा खेलों में दो कांस्य पदक जीते। मई 2022 में, एशियाई युवा पैरा खेलों के विजेता ने मनामा में पहली बहरीन पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता। दिसंबर 2022 में, उन्होंने लीमा में पेरू पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में विश्व रजत पदक विजेता को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

उरुग्वे के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

नई दिल्ली । उरुग्वे के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की। इस तरह उन्होंने अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ 69 गोल के साथ शीर्ष स्कोरर के रूप में अपने 17 साल के करियर पर विराम लगा दिया। 37 वर्षीय खिलाड़ी, जिन्होंने अपने देश के लिए 142 मैच खेले हैं, ने 2007 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण किया था और 2010 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीम में अहम भूमिका निभाई थी और एक साल बाद कोपा अमेरिका जीता था। भावुक सुआरेज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'शुक्रवार को मेरे देश की राष्ट्रीय टीम के साथ मेरा आखिरी मैच होगा।' स्ट्राइकर ने कहा, 'यह तथ्य कि मैंने संन्यास लेने का फैसला किया है और मैं चोटों के कारण सेवानिवृत्त नहीं हुआ हूं या उन्होंने मुझे किसी एक चीज के लिए बुलाना बंद नहीं किया है, मुझे बहुत सुकून देता है, इससे मुझे व्यक्तिगत रूप से मदद मिलती है। यह मुश्किल है, लेकिन इससे मुझे मानसिक शांति मिलती है कि आखिरी गेम तक मैंने अपना सब कुछ दिया है, और वह लौ धीरे-धीरे बुझ नहीं रही है।' उरुग्वे शुक्रवार को 2026 विश्व कप के लिए दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में मोंटेवीडियो के सेंटेनारियो स्टेडियम में पराग्वे से भिड़ेगा, उसके चार दिन बाद उसका सामना वेनेजुएला से होगा। सुआरेज ने कनाडा के खिलाफ स्टॉपेज-टाइम गोल किया, जिसने जुलाई में कोपा अमेरिका में तीसरा स्थान हासिल किया और स्ट्राइकर ने कहा कि उनका एक लक्ष्य यह दिखाना था कि वह राष्ट्रीय टीम में योगदान देना जारी रख सकते हैं।

चोट के कारण दलीप ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर हुए सूर्यकुमार

एजेंसी

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव को 2024-25 दलीप ट्रॉफी के शुरूआती दौर से बाहर कर दिया गया है, क्योंकि पिछले हफ़्ते कोयंबटूर में बुची बाबू आमंत्रण टूर्नामेंट में मुंबई के लिए प्री-सीजन मैच के दौरान उन्हें हाथ में चोट लग गई थी। सूर्यकुमार को आराम करने की सलाह दी गई है और वह नियमित जांच के लिए फिलहाल बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में हैं।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, सूर्यकुमार ने पिछले हफ़्ते टीएनसीए इलेवन के खिलाफ मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं की थी, क्योंकि तीसरे दिन फील्डिंग करते समय उनके हाथ में चोट लग गई थी। उस समय, मुंबई टीम प्रबंधन ने पुष्टि की थी कि यह कदम सीजन की शुरूआती दलीप ट्रॉफी में उनकी भागीदारी को ध्यान में रखते हुए एहतियाती तौर पर उठाया गया था।

भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार ने हाल ही में टेस्ट में वापसी के लिए उत्सुकता व्यक्त की है। एक साल से अधिक समय से कोई प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेलने के बाद, सूर्यकुमार ने रेड-बॉल क्रिकेट के लिए खुद को तैयार करने के लिए प्री-सीजन बुची बाबू टूर्नामेंट के लिए खुद को उपलब्ध कराया, जिसमें भारत को अगले पांच महीनों में 10 टेस्ट खेलने हैं, जिसकी शुरूआत 19 सितंबर से चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला से होगी।

सूर्यकुमार, जिन्होंने अब तक एकमात्र टेस्ट पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था, को इंडिया सी टीम में शामिल किया गया है, जिसका नेतृत्व रुतुराज गायकवाड़ करेंगे, जो अनंतपुर में श्रेयस अय्यर की इंडिया डी से भिड़ेंगे। इंडिया ए और इंडिया बी एक साथ बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में दूसरे शुरूआती दौर का मैच खेलेंगे।

हाल ही में, तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और उमरान मलिक भी बीमारी के कारण दलीप ट्रॉफी के शुरूआती दौर से बाहर हो गए थे, और रवींद्र जडेजा को वापस बुला लिया गया था, हालांकि बीसीसीआई ने उनके लिए कोई कारण नहीं बताया। नवदीप सैनी और गौरव यादव क्रमशः भारत बी और सी टीमों के लिए सिराज और मलिक की जगह लेंगे।

इस बीच, नितीश कुमार रेड्डी को एनसीए ने फिट घोषित कर दिया है। उन्हें कमर की चोट के कारण फिटनेस की शर्त पर शामिल किया गया था, जिसके कारण उन्हें जुलाई में जिम्बाब्वे के लिए भारत की टी20आई टीम से बाहर होना पड़ा था।

दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के लिए संशोधित टीमें

भारत ए: शुभमन गिल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), केएल राहुल, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, तनुश कोटियन, कुलदीप यादव, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, आवेश खान, विद्वाथ कवरप्पा, कुमार कुशाग्र, शाश्वत रावत।

भारत बी: अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, यश दयाल, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी, एन जगदीसन (विकेटकीपर)।

भारत सी: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), बी इंद्रजीत, रितिक शौकीन, मानव सुथार, गौरव वी शेक विजयकुमार, अंशुल खंबोज, हिमांशु चौहान, मयंक मारकंडे, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), संदीप वारियर।

भारत डी: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अथर्व तायडे, यश दुबे, देवदत्त पडिक्कल, ईशान किशन (विकेटकीपर), रिकी भुई, सारांश जैन, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, आदित्य ठाकरे, हर्षित राणा, तुषार देशपांडे, आकाश सेनगुप्ता, के.एस. भरत (विकेट कीपर), सौरभ कुमार।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भारी बारिश का कहर जारी

अब तक 35 लोगों की हुई मौत

एजेंसी

आंध्र प्रदेश । तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में बीते तीन दिनों से भारी बारिश का कहर जारी है। लगातार हो रही बारिश और बारिश की वजह से आई बाढ़ के कारण राज्यों में अबतक कुल 35 लोग दम तोड़ चुके है। सड़कों से लेकर रेल की पटरियां भी क्षतिग्रस्त हो गई है। बारिश के कारण हजारों एकड़ फसलें जलमग्न हो चुकी है। आम जनता भी लगातार आसमान से बरस रही आफत के कारण परेशान हो गई है। आम जनता को आवश्यक वस्तुओं के लिए संघर्ष करना पड़ा। राहत और बचाव कार्य में जुटी एजेंसियों और दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने स्थिति से निपटने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं।

तेलंगाना में वर्षाजनित घटनाओं में 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में 19 लोगों की मौत हो गई। बंगाल की खाड़ी में दबाव के कारण शनिवार से लगातार हो रही बारिश के कारण दोनों दक्षिणी राज्यों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को दोनों राज्यों के कुछ हिस्सों में और अधिक बारिश होने की भविष्यवाणी की है। तेलंगाना में लगातार बारिश के कारण निचले इलाकों में बाढ़ आ गई, कृषि फसलों को नुकसान पहुंचा तथा पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के साथ राज्य का रेल और सड़क संपर्क बाधित हो गया। तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार ने प्रारंभिक अनुमान के अनुसार 5,000 करोड़ रुपये का नुकसान बताया है और केंद्र से 2,000 करोड़ रुपये की तत्काल सहायता मांगी है। राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू ने संवाददाताओं से कहा कि नुकसान की वास्तविक सीमा का अनुमान लगाया जा रहा है और सरकार जल्द ही पूरा ब्योरा देगी।

प्रभावित जिला

सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में एनटीआर, गुंटूर, कृष्णा, एलुरु, पालनाडु, बापटला और प्रकाशम शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की 20 टीमें और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की 19 टीमें राहत और बचाव कार्य में लगी हुई हैं। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और प्रभावित लोगों से बातचीत की। उन्होंने कहा, रविजयवाड़ा में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दूसरे दिन भी दौरा किया। मैंने बाढ़ पीड़ितों को दी जा रही राहत की व्यक्तिगत रूप से निगरानी की...' उन्होंने आगे कहा: 'लोगों की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है। हम इस अप्रत्याशित आपदा से उन्हें जल्द से जल्द राहत दिलाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।'

मौसम विभाग ने बताया कि राज्य में सामान्य से ज्यादा भारी बारिश हुई है और मंगलवार को आदिलाबाद, निजामाबाद और निर्मल जिलों में भी भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि मंगलवार तक कोमाराम भीम आसिफाबाद, जगतियाल, संगारेड्डी, मेडक और कामारेड्डी जिलों में अलग-अलग जगहों पर भी भारी बारिश होने की संभावना है।

बाड़मेर में वायुसेना का लड़ाकू विमान क्रैश

पायलट सुरक्षित, कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश

एजेंसी

बाड़मेर। राजस्थान में बाड़मेर जिले के उत्तरलाई एयरबेस के पास कवास इलाके में भारतीय वायुसेना का लड़ाकू विमान क्रैश हो गया। पायलट ने विमान क्रैश होने से पहले ही इजेक्ट कर लिया था। वह सुरक्षित है। एयरफोर्स ने कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए हैं।

डिफेंस पीआरओ अजिताभ शर्मा ने बताया कि मिग-29 फाइटर प्लेन क्रैश हुआ है। वायुसेना ने एक्स हैंडल पर लिखा है, 'बाड़मेर सेक्टर में नियमित रात्रि प्रशिक्षण मिशन के दौरान भारतीय वायुसेना के मिग-29 में गंभीर तकनीकी खराबी आ गई। इसके कारण पायलट को विमान से बाहर निकलना पड़ा। पायलट सुरक्षित हैं और किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दे दिए गए हैं।' पुलिस के अनुसार सोमवार रात करीब 10 बजे फाइटर प्लेन रहवासी ढाणी से दूर जाकर क्रैश हो गया। विमान के क्रैश होने के बाद तेज धमाके के साथ आग लग गई। हादसे की सूचना मिलने पर बाड़मेर कलेक्टर निशांत जैन, जिला पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा सहित जिले के प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पायलट जमीन की ओर तेजी से बढ़ते विमान को करीब 1500 लोगों की आबादी से दूर ले गए। जहां प्लेन क्रैश हुआ वहां से तीन किलोमीटर की दूरी पर नागणा में क्रूड ऑयल की मंगला टर्मिनल प्रोसेस यूनिट भी है। यहां से रोज 1.75 लाख बैरल कच्चा तेल गुजरात की रिफाइनरी में भेजा जाता है। यदि मिग इस टर्मिनल के आसपास भी गिरता तो बहुत बड़ा हादसा हो सकता था।

न्यूज ब्रीफ

सराफा बाजार में गिरावट जारी सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में आज लगातार 5वें दिन गिरावट का रुख बना नजर आ रहा है। आज की गिरावट की वजह से 24 कैरेट सोना 73 हजार रुपये के स्तर से और 22 कैरेट सोना 67 हजार रुपये के स्तर से नीचे फिसल गया है। देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 72,910 रुपये से लेकर 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज लुढ़क कर 66,840 रुपये से लेकर 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी आई है। भाव में गिरावट आने के कारण दिल्ली सराफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 85,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

आआपा विधायक अमानतुल्लाह खान को ईडी की चार दिनों की हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली । दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने वक्फ बोर्ड की भर्ती से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान को ईडी की चार दिनों की हिरासत में भेज दिया है। स्पेशल जज राकेश स्याल ने देर रात ये आदेश दिया। ईडी ने 2 सितंबर को अमानतुल्लाह खान को गिरफ्तार किया था। पेशी के दौरान अमानतुल्लाह खान की ओर से पेश वकील ने ईडी की गिरफ्तारी को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि जब एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने अमानतुल्लाह खान को गिरफ्तार किया, उसी दिन सीबीआई की एफआईआर के आधार पर ईडी ने ईसीआईआर दर्ज की थी। एसीबी के मामले में ट्रायल कोर्ट ने नियामत जमानत दी थी। उन्होंने कहा कि अमानतुल्लाह खान की ओर से पैसे की कोई हेराफेरी नहीं हुई है और न ही किसी भी सह-आरोपी और या उसके पास से कोई पैसा बरामद हुआ। सीबीआई की ओर से एफआईआर दर्ज करने के छह साल बाद चार्जशीट दाखिल हुई और इस मामले में सीबीआई ने गिरफ्तार भी नहीं किया था। सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा कि दिल्ली वक्फ बोर्ड की भर्ती में गड़बड़ियों में अमानतुल्लाह खान ही मुख्य आरोपी हैं। इस मामले में चार लोग पहले गिरफ्तार किए जा चुके हैं जो अभी न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी ने कहा कि अमानतुल्लाह खान ने जांच में सहयोग नहीं किया। ईडी ने 14 समन जारी किए लेकिन केवल एक में ही पेश हुए और वो भी सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर। ईडी ने अमानतुल्लाह खान की ओर से जांच को गुमराह करने का आरोप लगाया। ईडी ने कहा कि अमानतुल्लाह खान को दूसरे आरोपितों के आमने-सामने बैठा कर पूछताछ करने की जरूरत है इसलिए अमानतुल्लाह खान की दस दिनों की हिरासत दी जाए।

खखंदुआ हत्याकांड में नप गए प्रभारी थानाध्यक्ष, किए गए लाइन हाजिर

नवादा : जिले के खखंदुआ पत्थर खदान क्षेत्र में एक संवेदक के कर्मी विनोद सिंह की हत्या के मामले में मंगलवार को थाली थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष ललन कुमार पर कार्रवाई की गाज गिरी है। उन्हें लाइन हाजिर कर दिया गया है। खखंदुआ की घटना और इसके बाद कार्यों में लापरवाही के मामले में थानाध्यक्ष पर कार्रवाई की बात कही जा रही है। यह भी सूचना है कि उन्हें निलंबित भी किया जा सकता है। फिलहाल, वैकल्पिक व्यवस्था होने तक अकबरपुर के थानाध्यक्ष पंकज कुमार सैनी को थाली थाना का प्रभार दिया गया है। यहां के थानाध्यक्ष विकास कुमार अवकाश पर चल रहे थे। ऐसे में ललन कुमार के जिम्मे प्रभार था। इस मामले में मृतक के परिजन सहित हिसुआ के पूर्व बीजेपी विधायक अनिल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल मेहता ने वहां के थानाध्यक्ष पर विनोद के जिंदा रहते फर्द बयान नहीं लेने सहित अन्य गंभीर आरोप लगाए थे। हाल के दिनों में जिले में क्राइम का ग्राफ काफी बढ़ा है। ऐसे में किसी थानाध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई की यह पहली घटना है। वैसे, कुछ दिनों पूर्व मुफस्सिल के अपर थानाध्यक्ष को निलंबित किया गया था और थानाध्यक्ष को कारण पृच्छ की गई थी।

क्या था मामला : नवादा जिले में निमार्णाधीन क्रशर प्लांट के कर्मी की बेरहमी पूर्वक पिटाई की गई। गंभीर रूप से घायल कर्मी की मौत इलाज के दौरान हो गई। थाली थाना क्षेत्र के खखंदुआ पत्थर खदान के पास शुक्रवार की रात घटना को अंजाम दिया गया था। राजधानी पटना के अपोलो अस्पताल में सोमवार को कर्मी की मौत हुई। शव को सदर अस्पताल नवादा लाया गया। जहां पोस्टमार्टम हुआ। बताया जाता है कि खखंदुआ पहाड़ी का कुछ हिस्सा नालंदा जिले के पटेल एग्रो नामक कंपनी को पत्थर उत्खनन के लिए आवंटित हुआ है। वहां खनन का काम शुरू करने के पूर्व क्रशर प्लांट लगाने का काम चल रहा है। इस प्लांट की सुरक्षा के लिए रात्रि प्रहरी का काम पास के नाद गांव के विनोद सिंह किया करते थे।

36 लीटर देशी महुआ शराब के साथ एक गिरफ्तार

नवादा : जिले के रजौली में मंगलवार को रजौली थानाक्षेत्र के सम्राट होटल के समीप से गुप्त सूचना के आधार पर देशी महुआ शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि एक स्कूटी सवार शराब कारोबारी देशी महुआ शराब के साथ जा रहा है।सूचना के आलोक में उक्त स्थल पर पुलिस पदाधिकारी को भेजा गया। स्कूटी सवार कारोबारी को जांच के लिए रोका गया और स्कूटी जाँच के दौरान उक्त स्कूटी से 36 लीटर देशी महुआ शराब बरामद हुआ।शराब बरामदगी के बाद उक्त शराब कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार कारोबारी की पहचान नवादा जिले के नेमदारगंज थाना क्षेत्र के सच्चिदानंद गोस्वामी के पुत्र मनोज गोस्वामी के रूप में की गई है।

महाराष्ट्र में 60 हजार एसटी कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र में राज्य परिवहन महामंडल (एसटी) के 35 डिपो के तकरीबन 60 हजार कर्मचारियों ने सातवें वेतन आयोग के साथ-साथ राज्य सरकार के कर्मचारियों के समान वेतन की मांग को लेकर मंगलवार सुबह से अनिश्चितकालीन काम बंद आंदोलन शुरू कर दिया है। इससे ग्रामीण इलाकों में राज्य में एसटी यातायात प्रभावित हुआ है और यात्रियों को परेशानी हो रही है। एसटी कर्मचारी संगठन के नेता श्रीरंग बर्गे ने बताया कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं की जाती, आंदोलन जारी रहेगा। जानकारी के अनुसार एसटी कर्मचारियों के 11 ट्रेड यूनियनों की एक्शन कमेटी ने मंगलवार 3 सितंबर सुबह से अपनी मांगों को लेकर हड़ताल करने की घोषणा की थी। इसके बाद उद्योगमंत्री उदय सामंत यूनियन नेताओं से चर्चा की अपील की थी। लेकिन एसटी कर्मचारियों की ओर से उद्योगमंत्री की अपील को ठुकरा दिया गया है और सिर्फ मुख्यमंत्री से ही चर्चा किए जाने का संकेत दिया गया है। बताया जा रहा है कि बुधवार शाम मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एसटी कर्मचारियों के नेताओं से चर्चा करने का समय दिया है। जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र में एसटी महामंडल के कुल 251 डिपो में 80 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं। इनमें से 60 हजार कर्मचारी आंदोलन पर हैं, इससे ग्रामीण इलाकों में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुणे जिले के शिवाजीनगर, वल्लभनगर, भोर, सासवड, बारामती, तालेगांव, सांगली जिले में मिराज, जाट, पलूस, सतारा जिले के कराड, वडुज, महाबलेश्वर, नासिक जिले के खानदेश, नासिक, पिंपलगांव, पेठ आगार और जलगांव जिले के भुसावल, चालीसगांव डिपो पूरी तरह से बंद हैं।

देश के जवान हमारे असली राष्ट्र नायक : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज हमारे देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। हम हर चुनौती का सामना कर सकते हैं। हमारी सेना एक सुरक्षा ढांचा ही नहीं बल्कि देश की नींव भी है। हमारे जवान देश की सुरक्षा के प्रति तत्पर रहते हैं। वो हमारे असली राष्ट्र नायक हैं।

सेना की ओर से आयोजित सशस्त्र सैन्य समारोह के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने मंगलवार को कहा कि इस भव्य समारोह को देखने और सशक्त आत्मनिर्भर हो रहे सुरक्षाबलों के प्रदर्शन से प्रसन्नता की अनुभूति हुई। रक्षामंत्री का, लेफ्टिनेंट जनरल का हृदय से आभार, राजधानी लखनऊ में इस समारोह को आयोजित करने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

उन्होंने कहा कि हम जानते है कि भारतीय सेना दुनिया की अद्वितीय सेना है, जिसने सदैव अपनी ताकत अनुशासन, तकनीकी क्षमता का लोहा दुश्मनों को मनवाया है, जबकि देश के अंदर भी सम विषम परिस्थितियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन व सहयोग हमेशा दिया है। ये समारोह प्रधानमंत्री के एकीकृत कमान, जिसमे थल जल नभ तीनो सेनाओं के एकीकृत समन्वय से कैसे हम दुश्मन को परास्त कर विजय प्राप्त कर सकते हैं, इसकी झांकी देखने को मिला है। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सुदृढ़ हो रही रक्षा शक्ति के प्रदर्शन को देखा। सेना के श्वान दस्ते घुड़सवार दल का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखा। हमारी सेना को एक पेशेवर दक्षता का प्रतीक बनाती है।

यह समारोह तीनो सेनाओं के बेहतरीन समन्वय का उत्कृष्ट पर्दशन है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे के प्रति 140 करोड़ देशवासियों को आश्वस्त करती है।

आज हमारे देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। हम हर चुनौती का सामना कर सकते हैं। हमारी सेना एक सुरक्षा ढांचा ही नहीं बल्कि देश की नींव भी है। हमारे जवान देश की सुरक्षा के प्रति तत्पर रहते हैं। वो हमारे असली राष्ट्रनायक है। आज भारत विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपनी सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत व बड़े से बड़े षड्यंत्र को नेस्तनाबूद करने में सक्षम है। हमारा सौभाग्य है, देश की आबादी का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश है जिसमे देश की 25%आबादी निवास करती है। यह वीरों की धरती है। हमारे नौजवान ने देश प्रदेश का अनेक अवसरों पर गौरव बढ़ाया है। देश की रक्षा के लिए प्राण आहुति देने वाले नौजवानों के परिजनों को 50 लाख,आश्रित को सरकारी नौकरी में समायोजन और शहीद के स्मारक का स्थापित करने का कार्य करती है।

लालबाजार के पास डॉक्टरों का प्रदर्शन जारी, पीछे हटने के मूड में नहीं है पुलिस भी

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार के पास डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन मंगलवार को भी जारी है। सोमवार दोपहर शुरू हुआ यह प्रदर्शन मंगलवार सुबह 11:00 बजे खबर लिखे जाने तक जारी है। डॉक्टरों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उन्हें बीबी गांगुली स्ट्रीट और बेंटिकन स्ट्रीट के क्रासिंग तक जाने की अनुमति नहीं मिलेगी तब तक वह अपने प्रतिनिधि लालबाजार नहीं भेजेंगे।

दूसरी तरफ पुलिस नौ फीट ऊंची लोहे की बैरिकेडिंग कर वहीं डटी हुई है और साफ कर चुकी है कि डॉक्टरों को यहीं से अपना प्रतिनिधि भेजना होगा। जूनियर डॉक्टरों की मांग है कि विनीत गोयल तत्काल अपने पद से इस्तीफा दें। पुलिस और प्रदर्शनकारी डॉक्टरों के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। विरोध कर रहे डॉक्टरों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, वे प्रदर्शन जारी रखेंगे, जबकि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए कड़ी व्यवस्था कर रखी है।

रविवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में एक महिला डॉक्टर की संदिग्ध स्थिति में मौत के बाद से डॉक्टरों में आक्रोश है। इस घटना के बाद सोमवार से ही डॉक्टरों ने लालबाजार के पास विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। सोमवार रात पुलिस ने आंदोलनकारी डॉक्टरों को रोकने के लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग कर दी थी। हालांकि, पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल सोमवार रात को प्रदर्शन स्थल पर नहीं पहुंचे थे, जिससे डॉक्टरों में नाराजगी है। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे पुलिस कमिश्नर लालबाजार पहुंचे, लेकिन उन्होंने प्रदर्शनकारियों से मुलाकात नहीं की।

पुलिस कर्मी बैरिकेड्स पर अड़े, डॉक्टरों का प्रदर्शन जारी

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सोमवार रात पुलिस ने उन्हें मिलने के लिए 20 प्रतिनिधियों का समूह भेजने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन उन्होंने पुलिस कमिश्नर से खुद मिलने की मांग की। डॉक्टरों ने कहा कि प्रशासन ने उनकी मांग को स्वीकार नहीं किया और बैरिकेड्स के बीच उन्हें रोका जा रहा है।इ मंगलवार को दूसरे दिन भी विरोध तेज होता दिख रहा है। आंदोलनकारी डॉक्टरों के समर्थन में कई अन्य छात्रों और संगठनों ने भी शामिल होकर रातभर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन स्थल पर डॉक्टर धूप के बीच छाते और तिरपाल का सहारा लेकर बैठे हुए हैं। डॉक्टरों का कहना है कि जब तक पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल उनसे मिलने नहीं आते या बैरिकेड्स हटाकर उन्हें लालबाजार की ओर बढ़ने नहीं दिया जाता, तब तक वे अपने आंदोलन को जारी रखेंगे। प्रदर्शन में महिला डॉक्टर भी शामिल हैं। आंदोलनकारी डॉक्टरों के समर्थन में पहुंचे छात्रों ने भी प्रशासन की सख्ती पर सवाल उठाए हैं।

कानपुर में एक सप्ताह चलेगा निराश्रित गौ संरक्षण अभियान

कानपुर : पशुपालन एवं पशुधन विभाग कानपुर नगर में इस सप्ताह निराश्रित पशु संरक्षण अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान एक सितंबर से 07 सितम्बर तक चलेगा। प्रतिदिन कैटिल कल्चर के सहयोग से ऐसे गो वंशजों को गोशाला में संरक्षित किया जा रहा है। यह जानकारी मंगलवार को मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कानपुर नगर आईडीएन चतुर्वेदी ने दी। उन्होंने बताया कि जनपद में 90 न्याय पंचायत स्तर पर 90 नोडल अधिकारी बनाए गए हैं। 90 ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारियों को बनाया गया है। यह अभियान कैटिल कल्चर की टीम से सहयोग लेकर क्षेत्र में मिलने वाले निराश्रित गोवंश को गोशाला भेजकर संरक्षित ?कराया जा रहा है। इस कार्य में ग्रामीण क्षेत्र के प्रधानों का भी सहयोग लिया जा रहा है। डॉ.चतुर्वेदी ने बताया कि यह अभियान एक सितम्बर से शुरू हो चुका है। अब तक दस ब्लाकों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक पहले दिन 77 गोवंश को संरक्षित किया जा चुका है।

शेयर बाजार शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में बिकवाली का दबाव

सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार 4 दिनों तक रिकॉर्ड तोड़ मजबूती दिखाने के बाद घरेलू शेयर बाजार में आज दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। हालांकि आज के कारोबार की शुरूआत भी मामूली बढ़त के साथ हुई थी, लेकिन शुरूआती कारोबार में ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लुढ़क कर लाल निशान में आ गए। पहले घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.07 प्रतिशत और निफ्टी 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से विप्रो, नेस्ले, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन के शेयर 0.79 प्रतिशत से लेकर 0.49 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, टाइटन कंपनी, भारती एयरटेल और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर 1.73 प्रतिशत से लेकर 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,340 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,230 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,110 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 17 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 38 शेयर हरे निशान और 12 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 92.85 अंक की मजबूती के साथ 82,652.69 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार में मुनाफा वसूली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। लगातार जारी बिकवाली के दबाव के बीच खरीदार भी लिवाली का जोर बनाने की कोशिश करते रहे, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव भी होता रहा। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 53.89 अंक की कमजोरी के साथ 82,505.95 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 34.70 अंक की बढ़त के साथ 25,313.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। हालांकि खरीदार लगातार लिवाली का जोर बनाने की कोशिश करते रहे। इसके बावजूद बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि इस सूचकांक की चाल में सुधार नहीं हो सका। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 11.75 अंक लुढ़क कर 25,266.95 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 194.07 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ 82,559.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी ने 42.80 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,278.70 अंक के स्तर पर सोमवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज ब्रीफ

चान्हो में ऑटो पलटने से 2 स्कूली छात्र समेत 3 लोग घायल

चान्हो। थाना क्षेत्र के खलारी मार्ग पर चोरया मोड़ के निकट सोमवार को दोपहर लगभग 2 बजे एक ऑटो पलटने से 2 स्कूली छात्र समेत 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में चोड़ा निवासी 28 वर्षीय रजाक अंसारी, आरपीएस स्कूल के छात्र 5 वर्षीय समवीर राज और 10 वर्षीय अमन राज शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, घटना उस समय हुई जब स्कूल की छुट्टी के बाद समवीर और अमन बिजुपाड़ा से ऑटो में सवार होकर घर जा रहे थे। उसी ऑटो में बैंक ऑफ इंडिया बिजुपाड़ा शाखा से अपने घर चोड़ा लौट रहे रजाक अंसारी भी सवार थे। चोरया मोड़ के पास ऑटो का अचानक संतुलन बिगड़ गया, जिससे ऑटो पलट गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत मांडर के रेफरल अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद समवीर और अमन की स्थिति ठीक होने पर उन्हें छुट्टी दे दी गई, लेकिन रजाक अंसारी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रिम्स रेफर कर दिया गया।

एक माह से जलापूर्ति बंद, ग्रामीणों ने पम्प हाउस में ताला जड़ा

किरीबुरु : नक्सल प्रभावित सारंडा स्थित बाईहातु आसन्न जलापूर्ति योजना से छोटानागरा पंचायत के गांवों में पिछले लगभग एक महीना से पेयजल आपूर्ति नहीं हो रही है। इससे नाराज ग्रामीणों ने मंगलवार को जोजोगुटू गांव स्थित इंटेकवेल पम्प हाउस में ताला जड़ दिया। ग्रामीणों का नेतृत्व मुखिया मुन्नी देवगम, मुंडा कानुराम देवगम कर रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि दो दिन के अंदर पेयजल आपूर्ति शुरू नहीं हुई तो ग्रामीण मनोहरपुर-छोटानागरा-बड़ाजामदा मुख्य मार्ग अनिश्चितकालीन जाम करेंगे।

मुखिया मुन्नी देवगम, मानकी लागुड़ा देवगम, जोजोगुटु मुंडा कानुराम देवगम, छोटानागरा मुंडा बिनोद बारिक, जामकुंडिया मुंडा कुशो देवगम आदि ने बताया कि छोटानागरा पंचायत के ग्रामीण वर्षों से क्षेत्र के तमाम नदी, प्राकृतिक जल स्त्रोतों का लाल पानी पीकर विभिन्न बीमारियों से ग्रसित होकर मारे जा रहे हैं। यह नदी और प्राकृतिक जलस्त्रोत आसपास के खदानों से बहकर आने वाली लाल पानी, मिट्टी व लौहचूर्ण से पूरी तरह प्रदूषित हो गई है। ग्रामीणों के लंबे आंदोलन के बाद सरकार ने डीएमएफटी फंड से बाईहातु गांव में आसन्न जलापूर्ति योजना के तहत जलमीनार, फिल्टर प्लांट तथा जोजोगुटु गांव के बगल से बहने वाली कोयना नदी में इंटेक वेल व पम्प/मोटर हाउस बनाया।

बाईहातु गांव स्थित जलमीनार से छोटानागरा पंचायत के दस गांवों में पाइप लाइन बिछाकर लोगों के घर-घर में नल का कनेक्शन देना था। लेकिन सभी गांवों में आज तक पाइप लाइन नहीं पहुंची और एवं घर-घर नल नहीं लगा। जितने गांवों तक पाइप लाइन बिछा था, वहां एक माह पूर्व तक औसतन पानी की सप्लाई होती थी। लगभग एक माह पहले से पेयजल आपूर्ति शत फीसदी बंद है। पानी सप्लाई करने वाला ठेकेदार यहां नहीं आता है। कर्मचारी कहते हैं कि कभी मोटर, पम्प तो कभी बिजली समस्या की वजह से पानी सप्लाई नहीं हो रही है। ठेकेदार चाईबासा में बैठकर विभागीय अधिकारी को कुछ लाभ पहुंचा कर अपना हर माह का मेंटेनेंस व अन्य बिल बना रहा है, लेकिन हम ग्रामीण पहले की तरह नदी-नाला का पानी पीने और उससे नहाने को मजबूर हैं।

उक्त लोगों ने कहा कि बीते दिनों छोटानागरा में आयोजित सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में मनोहरपुर के बीडीओ शक्तिकुंज से इस समस्या का समाधान करने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने भी इसका समाधान नहीं कराया। फिर सरकार आपके द्वार कार्यक्रम करने का क्या उद्देश्य रहा, जब पूरे पंचायत की जनता का सबसे आवश्यक पेयजल से संबंधित समस्या का ही समाधान प्रशासन नहीं कराये। ग्रामीणों ने कहा कि अगर पीएचईडी विभाग दो दिन के अंदर इस समस्या का समाधान नहीं किया तो ग्रामीण मनोहरपुर-छोटानागरा-बडाज़ामदा मुख्य मार्ग अनिश्चितकालीन जाम करेंगे।

मौत का कुंआ, करतब देखने और दिखाने वाले, दोनों के लिए है खतरनाक

बिनय मिश्रा

चक्रधरपुर स्थित पोर्टर खोली में स्थित बहूप्रसिद्ध जन्माष्टमी मेले का मुख्य आकर्षण का केंद्र, मौत का कुआं का करतब देखने वाले और करतब दिखाने वाले दोनों के लिए ही खतरों से भरा है क्योंकि इस मौत के कुआं खेल एक ओर जहां काफी रोमांचक और हैरत भरा है वहीं दूसरी ओर इस करतब को देखने जाने वाले को भी जमीन से लगभग 25 फीट ऊंचाई तक चढ़कर इस खेल को देखना पड़ता है, इस खेल को देखने वालों का कलेजा मुंह को आ जाता है, तो वहीं इस खेल को दिखाने वाले भी हमेशा मौत के इर्द गिर्द ही परिभ्रमण करते दिखाई देते हैं, जरा सी भूल या चूक जिंदगी और मौत के दूरी को खत्म कर सकती है, ऐसा दिखाने वाले और देखने वाले दोनों के लिए कहा जा सकता है, पोर्टर खोली में यूं तो मेला के दौरान कई आकर्षक झूले और अन्य करतब दिखाए जा रहे हैं किंतु पूरे मेले का मुख्य आकर्षण केंद्र मौत का कुआं ही है, क्योंकि इस करतब को दिखाने वाले एक साथ तीन से चार लोग मोटरसाइकिल को धड़ल्ले से इस स्थल पर काफी तीव्र गति से अपने वाहन चलाते हैं, इसी बीच इन मोटरसाइकिल के साथ साथ तीन तीन मारुति कार का एक साथ चलना और जमीन से 25 फीट तक ऊंचे स्थल पर आकर निरंतर चक्कर लगाना, देखने वालों के लिए हैरत भरा होता है, वहीं जान पर खेल कर यह करतब दिखाने वाले एक साथ निर्धारित स्थल पर मोटरसाइकिल और कार का, एक साथ चलना निश्चित तौर पर जान पर खेलना या जान की बाजी लगाना भी कहा जा सकता है,इन वाहन चालकों के हिम्मत की दाद देनी होगी, जो इतनी निर्भिकता के साथ करतब दिखाते हैं और अपना ध्यान भटकने नहीं देते, ऐसे करतब दिखाने और देखने वालों के लिए यह अजब गजब का ही खेल है।

चार सालों से राज्य में चल रही कई जन कल्याणकारी योजनाएं : फिरोज

मेट्रो रेज संवाददाता

सिमडेगा। आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में सिमडेगा जिला के कोलेबिरा प्रखंड के रैंसीया पंचायत के शिविर में उपस्थित हुए. झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य सह 20 सूत्री सदस्य फिरोज अली ने संबोधन करते हुए कहा इस विशेष शिविर पिछले 4 साल से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा चलाया जा रहा है जिसमें महत्वाकांक्षी योजना राज्य के सभी बहनों के लिए मंइयां सम्मान योजना एवं अबुआ स्वास्थ्य अबुआ आवास इस तरह से अनेक योजना चल रहा है इसलिए आप सभी लोग का जो भी समस्या है समाधान कराते हुए योजनाओं का लाभ जरूर ले इसलिए ऐसा कल्याणकारी योजना पहले झारखंड में कभी भी नहीं आया था जब से हमारे गठबंधन और झामुमो सरकार बना उस समय से माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन राज्य के एक-एक जनता के लिए सभी तरह का काम करने में लगे हैं और आगे भी इस सरकार में काम होते रहेगा। इसलिए कहते हैं हेमंत है तो हिम्मत है। शिबू सोरेन जिंदाबाद हेमंत सोरेन जिंदाबाद झारखंड मुक्ति मोर्चा जिंदाबाद।

कार्यक्रम में. सीओ साहब.20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष लूथर सुरीन झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य फिरोज अली झामुमो प्रखंड अध्यक्ष प्रकाश बागे सचिव वकील खान समीर हाशमी एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

मांडर विधानसभा के गांव-गांव में विकास की नई कहानी लिखेंगे : शिल्पी नेहा तिर्की

मांडर। विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने मांडर विधानसभा क्षेत्र के सभी पाँच प्रखंडों मांडर, चान्हो, बेड़ो, इटकी एवं लापुंग में विकास कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि इन प्रखंडों में रहने वाले ग्रामीणों और आम जनता को वह अपने परिवार की तरह मानती हैं और उनकी प्राथमिकता सूची में हर घर तक विकास की रोशनी पहुंचाना सबसे ऊपर है।

विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने आज मांडर विधानसभा के विभिन्न प्रखंडों का दौरा कर कई कार्यक्रमों में भाग लिया। इसी क्रम में, बेड़ो प्रखंड के दिघिया पंचायत भवन में आयोजित ह्यसरकार आपके द्वाराह्ण कार्यक्रम में उन्होंने आपदा से प्रभावित परिवारों को मुआवजा वितरित किया। बज्रपात से मृत परिवारों को 4-4 लाख रुपये के चेक दिए गए, साथ ही पशु क्षति और जॉब कार्ड का भी वितरण किया गया।

चान्हो प्रखंड के ग्राम टांगर में आयोजित टांगर आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सरकारी समिति लिमिटेड की वार्षिक आमसभा में शिल्पी नेहा तिर्की मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए सरकार की ओर से मिलने वाली सहायता के बारे में जानकारी दी। वहीं, करकट ग्राम में ह्यसरकार आपके द्वारह्ण कार्यक्रम के तहत विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई और जॉब कार्ड, लेबर कार्ड और साइकिल का वितरण किया गया। इस मौके पर उप प्रमुख मुदस्सिर हक, कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, दिघिया पंचायत अध्यक्ष सोमरा लोहरा, फहीम हक, गोवर्धन महतो, राजेश महतो, मीर मुस्लिम, मोहम्मद तौफीक, शंभू राम, जुल्फिकार, नूर मोहम्मद, प्रमोद लाल, महावीर उरांव, गुड्डू सिंह, ऐनुल अंसारी समेत भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

बिहार के नये डीजीपी आलोक राज लोगों को तत्क्षण पहचानते हैं और उन्हें देते हैं सम्मान

बिनय मिश्रा

भारतीय पुलिस सेवा 1989 बैच के वरीय आईपीएस अधिकारी आलोक राज बिहार के नये डीजीपी बनाये गये हैं। उन्हें इस उपलब्धि और उनकी कामयाबी के फलस्वरूप राज्य के सबसे बड़े पुलिस अधिकारी के रूप में पदस्थापित होने के पश्चात उन्हें बधाई और शुभकामना दिया तो वे काफी हर्षित हुए और कहा कि आप भी इस उपलब्धि के अवसर पर याद किया हुआ मुझे काफी अच्छा लगा। गौरतलब हो कि बिहार के नये डीजीपी पश्चिम सिंहभूम चाईबासा के लोकप्रिय पुलिस अधीक्षक रह चुके हैं। 1996 से लेकर 1998 तक अविभाजित बिहार के समय एकीकृत जिला जिस समय सरायकेला-खरसवां, पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा जिला में समाहित था उस समय से श्री राज के साथ बेहतर और मधुर संबंध स्थापित थें तथा उनके साथ कई स्थलों पर जाने का भी गौरव प्राप्त हुआ था। इसके पश्चात जब श्री राज सीआरपीएफ के आईजी के रूप में झारखण्ड में पदस्थापित थें उस समय वे जब आसनतलिया स्थित सीआरपीएफ कैम्प में उनका आगमन हुआ तो जब उनका हेलिकॉप्टर आसनतलिया स्थित हैलिपैड पर उतरा तो हेलिकॉप्टर से उतरने के साथ ही उन्हें जब गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और वे इस स्थल से आगे बढ़ें तब उनका ध्यान मेरी ओर गया तो उन्होंने सहजता और स्नेह के साथ यह पुछना नहीं भूलें कि बिनय जी कैसे हैं आप और आपकी पत्रकारिता कैसे चल रही है यह उनके द्वारा पुछा जाना निश्चित तौर पर मेरे लिए उपलब्धि से कम नहीं था। वर्तमान समय में वे जब डीजीपी निगरानी और अन्य दायित्व में थे तब भी उनसे बातचीत होती रही थी जो उनके शालीनता मृदुभषिता को भी दशार्ता है। मेरे द्वारा प्रकाशित करंट खबर को भी उन्होंने हमेशा प्रोत्साहित किया और मार्गदर्शन भी। श्री राज के बिहार के नये डीजीपी बनने पर निश्चित तौर पर उनके लम्बे प्रशासनिक दक्षता और अनुभव का लाभ बिहार को मिलेगा।

भाजयुमो ने निकाला मशाल जुलूस

जमशेदपुर : राज्य के विभिन्न जिलों में चल रही उत्पाद सिपाही की दौड़ के दौरान अब तक 12 अभ्यर्थियों की असमय और दुःखद मौत ने पूरे राज्य में गहरे शोक और आक्रोश की लहर पैदा कर दी है। इससे नाराज जमशेदपुर महानगर ने सोमवार को मशाल जुलूस निकालकर कड़ा विरोध जताया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में कार्यकर्तओं ने साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय से साकची बड़ा गोलचक्कर तक हाथों में मशाल लेकर हेमंत सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पुतला दहन किया। युवाओं ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि बिना सोचे समझे और राजनीति को ध्यान में रखकर सबसे पहले दौड़ का आयोजन कर दिया गया। अगर दौड़ की प्रक्रिया सभी जिले में आयोजित की जाती तो छात्र अपने ही गृह जिले में दौड़ की प्रक्रिया पूरा करते जिससे अभ्यार्थियों को रात से लाइन में लगना नही पड़ता। भाजपा ने अभ्यर्थियों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और सरकार से उनकी समुचित सहायता और मुआवजे की मांग की।

मशाल जुलूस का नेतृत्व कर रहे भाजयुमो जिलाध्यक्ष नीतीश कुमार ने इस घटना के लिए सीधे तौर पर राज्य सरकार की नीतियों और तुगलकी फरमान को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि ऐसी अमानवीय घटनाओं से सरकार की संवेदनहीनता और तानाशाही प्रवृत्ति उजागर होती है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति के कारण कई घरों का चिराग बुझ रहा है। सरकार बेरोजगारों को रोजगार देने की बजाय मौत बांट रही है। उन्होंने युवकों की मौत की न्यायिक जांच कराने, मृत युवकों के आश्रितों को उचित मुआवजा एवं सरकारी नौकरी उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार द्वारा आपाधापी में भादो की उमस भरी गर्मी में दौड़ आयोजित कराने के कारण ही राज्य के 12 युवक मौत के काल के गाल में समा गए। हेमंत सरकार ने भर्ती केंद्रों पर न तो पीने के पानी की व्यवस्था की, ना शौचालय की और ना ही महिलाओं के लिए कोई व्यवस्था की।

मशाल जुलूस में पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार, जटाशंकर पांडेय, नीरज सिंह, संजीव सिन्हा राजीव सिंह, संजीव सिंह, विजय तिवारी, मीली दास, शांति देवी, काली शर्मा, प्रेम झा, सुबोध झा, ज्ञान प्रकाश, उज्ज्वल सिंह, अमित सिंह, किशोर ओझा, अजय श्रीवास्तव, राजीव रंजन सिंह, विजय सिंह, धर्मेंद्र प्रसाद, सागर राय, सोनू ठाकुर, शैलेश गुप्ता, अभिमन्यु सिंह चौहान, चंदन चौबे, सुशील पांडेय, अभिषेक डे, चिंटू सिंह, कृष्णकांत राय समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

झामुमो महिला मोर्चा के कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए विधायक

जमशेदपुर : पटमदा के डाक बंगला भवन परिसर में सोमवार को झामुमो महिला मोर्चा का सम्मेलन प्रखंड अध्यक्ष अश्विनी महतो की अध्यक्षता में आयोजित की गई. सम्मेलन में सभी पंचायतों से कार्यकर्ता पहुंचे थे जिसमें महिला मोर्चा व युवा मोर्चा का गठन कार्यक्रम प्रस्तावित होने की वजह से महिलाओं की संख्या अधिक थी. बतौर मुख्य अतिथि जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने कहा कि भाजपा के लोग नहीं चाहते हैं कि जनता को किसी भी योजना का लाभ मिले इसलिए मंईयां सम्मान योजना को बंद कराने के लिए हाई कोर्ट में पीआईएल दायर किया है. उन्होंने सर्वजन पेंशन, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, बकाया बिजली बिल माफी, एकमुश्त समझौता, 2 लाख तक किसानों की ऋण माफी, अबुआ आवास, अबुआ स्वास्थ्य, छात्रवृत्ति, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना समेत राज्य सरकार की कई उपलब्धियों एवं योजनाओं का उल्लेख किया.

उन्होंने कहा कि राज्य में फिर से हेमंत सोरेन की सरकार बनानी है इसलिए तीर कमान को नहीं भूलना है, गांवों में प्रचार -प्रसार करना है. इस दौरान विधायक ने भाजपा व आजसू के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली.

अमावस्या पर विशेष पूजा संपन्न

जमशेदपुर : श्री श्री दक्षिणेश्वर सार्वजनिक काली पूजा समिति, ईस्ट प्लांट बस्ती,बमार्माइंस द्वारा सोमवार को अमावस्या के अवसर पर विशेष पूजा का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पुरोहित झंटू घोषाल द्वारा पूजा संपन्न करायी गयी, इस अवसर पर महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया। सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

साइबर फ्रॉड से बचाव की दी गई जानकारी

जमशेदपुर : साइबर सुरक्षा को लेकर सोमवार को रवींद्र भवन सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन साइबर पीस संस्था के तत्वावधान में आयोजित किया गया। जिसमें जमशेदपुर, बोड़ाम, पटमदा, पोटका के सरकारी व निजी विद्यालयों के एक हजार से ज्यादा शिक्षक शामिल हुए। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष पांडे विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यशाला में तकनीक के इस युग में साइबर सुरक्षा की चुनौतियों व जटिलताओं पर चर्चा की गयी। साथ ही शिक्षकों को साइबर सिक्योरिटी का प्रशिक्षण दिया गया। शिक्षकों को बताया गया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य साइबर सिक्योरिटी के आधुनिक दृष्टिकोण और उसकी प्रासंगिकता से परिचित कराना है। जिससे वे अपने छात्रों को तथा आसपास के लोगों को इस क्षेत्र में नई जानकारियां प्रदान कर सकें तथा साइबर फ्राड से सुरक्षित रख सकें। कार्यशाला में बताया गया कि सभी श्रेणियों के डेटा काफी महत्वपूर्ण होते हैं। खासकर संवेदनशील डेटा, व्यक्तिगत रूप से पहचान योग्य जानकारी, संरक्षित स्वास्थ्य जानकारी, व्यक्तिगत जानकारी, बौद्धिक संपदा, बैंक एकाउंट से जुड़ा फ्रॉड आदि शामिल है।

मुख्यमंत्री असाध्य रोग योजना के दो लाभुकों को विधायक ने दिया एक -एक लाख का चेक

हमारी सरकार राज्य के गरीबों के लिए कार्य कर रही है : विक्सल कोनगाड़ी

मेट्रो रेज संवाददाता

कोलेबिरा । आज कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक विक्सल कोनगाड़ी ने कोलेबिरा प्रखंड के सोखातोली और बोम्बोटोली के दो लाभुकों को एक-एक लाख रुपये का चेक इलाज करवाने के लिए दिया।सोखातोली के शेख आशु की सड़क दुर्घटना में सिर पर गंभीर चोट लगी थी।जिसके इलाज के लिए उनके परिजन बहुत ही परेशान थे।उनका सिर का ऑपरेशन करना अतिआवश्यक था।शेख आशु के परिजनों ने अपने विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी से संपर्क कर मदद करने की बात कही।जिसपर विधायक के द्वारा त्वरित कार्यवाही करवाते हुए अविलंब उनके ऑपरेशन के लिए मुख्यमंत्री असाध्य रोग योजना के अंतर्गत एक लाख रुपये का चेक शेख आशु के पिता शेख युनुस को प्रदान किया गया।वही कोलेबिरा प्रखंड के ही बोम्बोटोली के सद्दाम खान की पुत्री नाजिया खातुन की भी तबियत खराब थी।उनको हृदय से संबंधित रोग है।परिजन की आर्थिक स्थिति दयनीय होने के कारण इलाज करवाने में परेशानी थी।विधायक कोनगाड़ी ने नाजिया की माँ शबनम खातुन को एक लाख रुपये का चेक मुख्यमंत्री असाध्य रोग योजना अंतर्गत दिया गया।चेक प्राप्त होने पर दोनों लाभुकों ने विधायक कोनगाड़ी को धन्यवाद दिया और कहा कि आप सभी लोगों के दुख को समझते हैं और उनके दुख को दुर करने के लिए हर यथासम्भव प्रयास कर उनकी मदद करते हैं।हम सभी कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र के समस्त जनता इस बात को भली भांति जानते हैं।आपसे हम अपने हर दुख दर्द को बता सकते हैं।पुर्व के और विधायको तक अपनी बात को पहुंचाना बहुत कठिन

काम होता था।परंतु आप सभी जनता के लिए आसानी से उपलब्ध हैं।जिसके लिए हम आपके आभारी हैं और भविष्य के लिए बहुत शुभकामनाएं देते हैं।

इसपर विधायक कोनगाड़ी ने उन्हें कहा कि आप सभों ने मुझे विधायक बनाया।मेरा ये फर्ज बनता है कि मैं आप सभी की परेशानियों, दुःख दर्द को दुर करूँ।विधायक ने उनको आस्वस्त किया कि भविष्य में भी किसी भी तरह की कुछ भी जरूरत हो तो वे उनको बेझिझक बताएं।उनका काम अवश्य होगा।

वही विधायक ने मुख्यमंत्री असाध्य रोग योजना के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र के जितने भी लोग जो सरकार द्वारा निर्धारित किये गए आहर्ता को पूर्ण करते हैं वैसे लाभुक जरूर से उनसे संपर्क करें ताकि उनके इलाज में मदद हो सके।इस योजना का लाभ वैसे लोगों को मिलता है जिनकी सकल वार्षिक आय लगातार तीन वर्षों तक आठ लाख से कम है।बीपीएल कार्डधारी व जिनकी वार्षिक आय 72 हजार या उससे कम है को असाध्य रोग जैसे कैंसर, किडनी ट्रांसप्लांट, गंभीर लिवर रोग, एसिड अटैक, ब्रेन हैमरेज, थैलेसीमिया, बोन मैरो ट्रांसप्लांट, कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग जैसे रोग के इलाज के लिए चिकित्सा सहायता अनुदान दिया जाता है।इस योजना के अंतर्गत इलाज के लिए राज्य एवं राज्य के बाहर 45 चिकित्सा संस्थान सूचीबद्ध है।

विधायक ने आगे बताया कि पहले 5 लाख तक का प्रावधान था जो कि जिले के सिविल सर्जन की अनुशंसा पर ही मिल जाता था।परंतु राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा इसको बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया गया है।इसीलिए मैं सभी को बोलना चाहुंगा कि जिनको भी गंभीर बीमारी है वे इस महत्वकांक्षी और जनकल्याण कारी योजना का लाभ अवश्य लें।

*मौके पर जिला विधायक प्रतिनिधि सह अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष रावेल लकड़ा, जिला सचिव अल्पसंख्यक कांग्रेस जमीर हसन उपस्थित रहे।